खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 10 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-219

एफसीआरए बिल ईसाई विरोधी

समूचा विपक्ष लामबंद

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

संसद का मानसून सत्र इस समय चल रहा है। इस बीच चर्चा है कि सरकार इस सत्र में विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम में संशोधन करने के लिए नया विधेयक ला सकती है। कांग्रेस पार्टी ने इस प्रस्तावित विधेयक का पुरजोर विरोध करने का मन बना लिया है।

कांग्रेस का कहना है कि यह विधेयक ईसाई विरोधी है और इसके प्रावधानों से देश में काम कर रहे अल्पसंख्यक संगठनों को काफी नुकसान हो सकता है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम के नए नियमों से देश के दूर-दराज, ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों में काम कर रहे ईसाई संगठनों, स्कूलों और अस्पतालों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

कांग्रेस ने सरकार पर लगाया दबाव बनाने का आरोप

कांग्रेस सांसद हिबी ईडन का कहना है कि देश के कई दुर्गम क्षेत्रों में ये संगठन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार इन संगठनों पर दबाव बनाना चाहती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि नए विधेयक के नियमों के तहत जिला मजिस्ट्रेट या उप-जिला मजिस्ट्रेट नियमों के उल्लंघन की स्थिति में किसी भी संस्था की संपत्ति को अपने कब्जे में ले सकते हैं। वे पुराने मामलों में भी जांच कर ऐसा कर सकते हैं।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी साफ कहा है कि यदि सरकार इन दो-तीन दिनों में जल्दबाजी में यह विधेयक लाना चाहती है, तो कांग्रेस उसका पुरजोर विरोध करेगी और सरकार का यह सपना पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

राजनीतिक लाभ उठाने की तैयारी

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस इसे केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं मान रही है, बल्कि इसके जरिए अल्पसंख्यक मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने का बड़ा अवसर देख रही है। केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों में ईसाई आबादी अच्छी-खासी है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में भी ईसाई समुदाय की संख्या है।

विपक्ष को लगता है कि इस मुद्दे के जरिए इन मतदाताओं को एकजुट किया जा सकता है। पार्टी को लगता है कि हाल ही में केरल विधानसभा चुनावों के दौरान भी इसी मुद्दे से उसे फायदा मिला था।

पहले भी बजट सत्र के दौरान केरल चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस ने इस मुद्दे पर खूब हंगामा किया था। तब भारी विरोध को देखते हुए सरकार ने साफ कर दिया था कि फिलहाल ऐसा कोई विधेयक लाने का इरादा नहीं है। हालांकि, तब तक इस मुद्दे की चर्चा जनता के बीच पहुंच चुकी थी।

समाजवादी पार्टी भी करेगी विधेयक का पुरजोर विरोध

केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी ने भी इस मामले में कड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने अपने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को पत्र जारी कर कहा है कि वे 10, 11 और 12 अगस्त को संसद में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें।

माना जा रहा है कि जब केंद्र सरकार इन तारीखों में विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम संशोधन विधेयक संसद में पेश करेगी, तो पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका कड़ा विरोध करेगा। इसे देखते हुए सभी विपक्षी दलों ने अपने सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करनी शुरू कर दी है, ताकि सदन में सरकार को घेरा जा सके।

क्या है विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम?

विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम एक ऐसा कानून है, जो भारत में गैर-सरकारी संगठनों, धर्मार्थ न्यासों, शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक निकायों द्वारा विदेशी धन प्राप्त करने तथा उसके इस्तेमाल को नियंत्रित करता है। इसके तहत विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए गृह मंत्रालय से पंजीकरण कराना होता है। इसका हर पांच वर्ष में नवीनीकरण कराना पड़ता है।

प्रस्तावित विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम संशोधन विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि यदि किसी संस्था का लाइसेंस रद्द हो जाता है, संस्था स्वयं उसे वापस कर देती है या समय पर उसका नवीनीकरण नहीं होता, तो विदेशी धन से बनाई गई उसकी संपत्तियों और बची हुई राशि के प्रबंधन एवं नियंत्रण के लिए सरकार एक ङ्गनामित प्राधिकारीफ नियुक्त करेगी।

सरकार का तर्क है कि इससे विदेशी धन प्राप्त करने और उसके उपयोग में पारदर्शिता आएगी तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित होगा। वहीं आलोचकों और विपक्षी दलों का मानना है कि इससे सरकार को संस्थाओं की संपत्तियों पर नियंत्रण करने की अत्यधिक शक्तियां मिल जाएंगी।

उनका दावा है कि इससे दूर-दराज के इलाकों में अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित स्कूलों और अस्पतालों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

गौतमी राठौड प्रकरण

आदिवासी अधिकारों पर गंभीर सवाल

ओमप्रकाश सिरवी
खम्मम, 09 अगस्त।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जहां देशभर में आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान, समानता और आत्मनिर्णय की बातें हो रही हैं, वहीं तेलंगाना की आदिवासी शिक्षिका गौतमी राठौड़ से जुड़ा मामला कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गौतमी राठौड़ ने देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों के परिवारों के कल्याण से जुड़े एक सेवा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार में भाग लिया था। इसके बाद उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई शुरू किए जाने की बात सामने आई। आरोप है कि कार्रवाई से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया।

बताया जा रहा है कि गौतमी राठौड़ अपने पक्ष को स्पष्ट करने के लिए खम्मम जिले के शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी चैतन्य जैन से मिलने पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ कथित व्यवहार और बातचीत के तरीके को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि अभी प्रतीक्षित है। मामले में एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि किसी शिक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाती है, तो क्या उसे निष्पक्ष रूप से अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया गया? प्रशासनिक कार्रवाई में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन कितना हुआ, यह भी जांच का विषय है।

इसी बीच, जिले में एक अन्य शिक्षिका के खिलाफ छात्रों के बाल काटने से जुड़े मामले में निलंबन के बाद कथित तौर पर दस दिनों के भीतर बहाली किए जाने की तुलना भी सामने आ रही है। ऐसे में गौतमी राठौड़ के मामले में कार्रवाई की अवधि और प्रक्रिया को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सबसे गंभीर घटनाक्रम यह है कि पूरे विवाद के बाद गौतमी राठौड़ द्वारा अपनी शिक्षिका की नौकरी से इस्तीफा दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

यदि इसकी आधिकारिक पुष्टि होती है, तो यह केवल एक कर्मचारी के इस्तीफे का मामला नहीं रहेगा, बल्कि यह सवाल भी उठेगा कि विभागीय कार्रवाई और कार्यस्थल के वातावरण ने एक शिक्षित आदिवासी महिला को नौकरी छोड़ने के निर्णय तक क्यों पहुंचाया।

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर यह प्रकरण प्रशासन के लिए आत्ममंथन का विषय बन गया है। आदिवासी समाज के अधिकारों और आत्मसम्मान की बात केवल समारोहों और भाषणों तक सीमित न रहकर प्रशासनिक व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

अब निगाहें इस बात पर हैं कि शिक्षा विभाग और राज्य सरकार गौतमी राठौड़ के मामले में सामने आए आरोपों और सवालों पर क्या स्पष्टीकरण देती है तथा क्या पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावाकांड

साधु-संत का पीएम आवास कूच आज

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सोमवार को दिल्ली में साधु-संतों का एक बड़ा प्रदर्शन होने जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, देशभर से आए 500 से अधिक साधु-संत प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपेंगे।यह मार्च सोमवार सुबह करीब 11 बजे मंडी हाउस के समीप नेपाल दूतावास के पास से शुरू होकर प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ेगा। इस शांतिपूर्ण मार्च का नेतृत्व नामदेव दास त्यागी (कंप्यूटर बाबा) और प्रकाशानंद गिरी महाराज करेंगे। विरोध मार्च में सनातनी किन्नर अखाड़े के प्रतिनिधि एवं साधु-संत भी विशेष रूप से शामिल होंगे। कंप्यूटर बाबा ने बीबीसी हिन्दी से बातचीत में बताया कि विभिन्न राज्यों से आ रहे साधु-संत शांतिपूर्ण तरीके से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपकर राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी एवं वित्तीय गड़बड़ियों की निष्पक्ष तथा उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि साधु-संत इस मामले में पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच चाहते हैं, ताकि कथित अनियमितताओं की वास्तविकता सामने आ सके। प्रधानमंत्री आवास की ओर निकाले जाने वाले इस मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस की ओर से आधिकारिक अनुमति दी गई है या नहीं, इस पर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है, जिसकी कार्रवाई फिलहाल जारी है।

बांग्लादेश हद पार!

किसान का अपहरण कर ले गये

जलपाईगुड़ी, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक भारतीय चाय किसान के कथित अपहरण से हड़कंप मच गया है। घटना राजगंज प्रखंड के कुकुरजान इलाके की बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान 35 वर्षीय दीपांकर गोप के रूप में हुई है, जो चौलहाटी सीमा गांव के तसर पाड़ा का रहने वाला है।

परिवार का आरोप है कि दीपांकर को बांग्लादेशी बदमाशों ने बदले की कार्रवाई के तहत अगवा किया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले चौलहाटी सीमा पर एक बांग्लादेशी नागरिक ने तारबंदी काटकर भारत में घुसने की कोशिश की थी। स्थानीय ग्रामीणों और सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

स्थानीय लोगों को आशंका है कि पकड़ा गया व्यक्ति किसी सक्रिय सीमा पार तस्करी गिरोह से जुड़ा हो सकता है। इसी घटना के बाद किसान के अपहरण को कथित बदले की कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, मामले की पूरी तस्वीर जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

शनिवार सुबह दीपांकर अपने छह बीघा के चाय बागान में काम करने गया था। यह बागान अंतरराष्ट्रीय सीमा के बेहद करीब, तारबंदी के उस पार स्थित है। बताया गया कि वह वहां अकेले कीटनाशक का छिड़काव कर रहा था।

इसी दौरान करीब 20 बांग्लादेशी बदमाशों के एक समूह ने कथित तौर पर सीमा पार कर दीपांकर को घेर लिया। उसने खुद को बचाने और वहां से निकलने की कोशिश की। इस दौरान उसकी आरोपियों के साथ थोड़ी हाथापाई भी हुई, लेकिन संख्या अधिक होने के कारण वह बच नहीं सका।

आरोप है कि हथियारबंद समूह दीपांकर को जबरन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में ले गया। घटना की खबर फैलते ही सीमा से सटे गांवों में अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुटने लगे।

सीमा सुरक्षा बल ने सीमा सुरक्षा बल बांग्लादेश से की झंडा बैठक

घटना की सूचना मिलते ही सीमा सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे और किसान को वापस लाने के लिए प्रयास शुरू किए। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰

न्यूनतम : 23⁰

पीओके वोटिंग टली : चुनावी धांधली पर हुई झड़पें

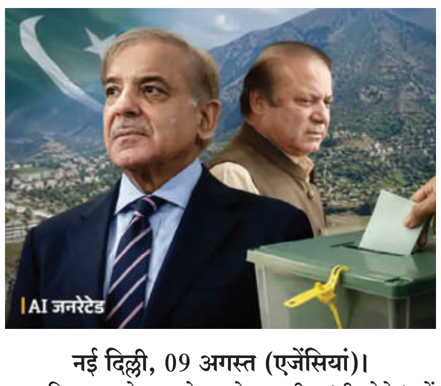

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 10 अगस्त, सोमवार को होने वाली मतदान प्रक्रिया टल गई है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, लगातार हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के चलते तीसरे चरण का चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। पीओके में कुल 45 विधानसभा सीटें हैं, जिन पर चुनाव हो रहा है। इससे पहले दो चरणों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने कुल 24 सीटें जीत ली थीं। इसके बाद पीएमएल-एन का पीओके में सरकार बनाना लगभग तय माना जा रहा था। लेकिन अब तीसरे चरण की 11 सीटों पर होने वाला चुनाव टल गया है।

पीओके में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़कने की खबर सामने आई थी। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत होने का दावा किया गया था। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें भी हुई थीं।

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में पाकिस्तानी सेना ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। संगठन ने सामाजिक माध्यम ङ्गएक्सफ पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं। भारत ने पीओके में हो रहे चुनावों को मानने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान ▶8पर

बेटे को मार डाला

पिता ने नशे में की बेरहमी

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में गुड्डीमलकापुर थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। महज 4 साल के मासूम अरमान की इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोप है कि बच्चे के पिता सलमान ने नशे की हालत में उसके साथ बेरहमी से मारपीट की थी।

घटना करीब चार दिन पहले पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 104 के पास की बताई जा रही है। आरोप के मुताबिक, नशे में धुत पिता ने बच्चे के साथ इतनी बुरी तरह मारपीट की कि

वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

गंभीर हालत में अरमान को तत्काल निलोफर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की टीम ने बच्चे को बचाने के लिए उपचार किया, लेकिन उसकी हालत लगातार नाजुक बनी रही। आखिरकार आज मासूम ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर सामने आते ही इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना ने एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि बच्चे के साथ वास्तव में क्या हुआ, मारपीट की वजह क्या थी और किन परिस्थितियों में उसकी हालत गंभीर हुई।

मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। रिपोर्ट से बच्चे की मौत के चिकित्सकीय कारण और चोटों की प्रकृति ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमेरिका से तनाव के बीच ईरान बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान इस साल फरवरी से अमेरिका के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी जंग के मध्य बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में है। इस संबंध में ईरान ने कहा कि ओमान के साथ बातचीत में ऐसी उम्मीद है। इससे इतर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने जलमार्ग खोलने के लिए पूर्व की शर्त दोहराई है। अमेरिका ने कहा कि हर हाल में ईरान पर दबाव जारी रखेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने उम्मीद जताई है कि ओमान के साथ बातचीत से होर्मुज जलडमरूमध्य में परिणाम निकलेंगे।

उन्होंने बातचीत के दौरान न युद्ध और न ही शांति की स्थिति से आगे बढ़ने का आह्वान किया आईआरजीसी ने कहा कि जलमार्ग खुल सकता है, बशर्ते अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त हो युद्ध के नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने खुला आरोप लगाया है कि ईरान संबंधों में सुधार करने के लिए तैयार नहीं है। वाशिंगटन उस पर दबाव बनाना जारी रखेगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने पत्रकारों से कहा कि ओमान से बातचीत में होर्मुज में अस्थायी रास्ता बनाने पर सहमति लगभग तय हो गई है।

मगर जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले उसकी शर्तें पूरी होनी चाहिए। युद्ध से हुए नुकसान के लिए अमेरिका को मुआवजा देना देगा।

ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने तो इसके लिए कुछ शर्तें रखीं। वे हैं- अमेरिका ईरान को धमकाना बंद करे। ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकी जाए।

अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी हटाए। संघर्ष में हुए नुकसान के लिए ईरान को मुआवजा दे। प्रतिबंध हटाने के साथ ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को बहाल किया जाए।

ईरान से हो रही वार्ता के दौरान ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की निंदा की है। ओमान ने इसके लिए किसी पर दोष नहीं मढ़ा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति वेंस ने कहा कि हमने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म कर दिया है। हमने उनकी पारंपरिक सेना को खत्म कर दिया है। हमने उनकी गैरपारंपरिक सैन्य क्षमताओं को भी काफी हद तक कम कर दिया है। अगर ईरान अब भी समझौता नहीं मानता तो उसकी मर्जी।

अमेरिकी सेना का कहना है कि होर्मुज में उसकी नाकाबंदी के कारण 53 जहाजों का रास्ता बदलना पड़ा है। अमेरिकी मध्य कमान ने कहा कि इस दौरान मानवीय सहायता ले जा रहे 30 से ज्यादा जहाजों को सुरक्षित गुजरने दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

मंगल की वैले ग्रांडे घाटी में मिली रहस्यमय हनीकाम्ब जैसी आकृतियां

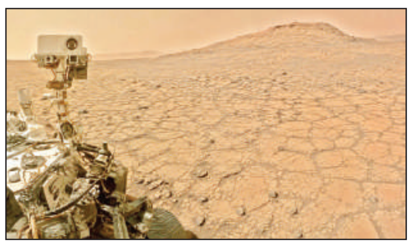

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर को मंगल की वैले ग्रांडे नामक विशाल घाटी में रहस्यमय हनीकाम्ब जैसी आकृतियां मिली हैं। यह आकृतियां बिल्कुल मधुमक्खी के छत्ते जैसी दिखती हैं। ये हनीकाम्ब डिजाइन हर दिशा में दूर-दूर तक फैले हुए हैं, जो पास के 20 फीट ऊंचे मिराफ्लोरेस नामक पहाड़ तक जा रहे हैं। हालांकि इस प्रकार की संरचनाएं पहले भी देखी गई हैं, लेकिन इतने विशाल पैमाने पर उनका पाया जाना यह पहला मौका है। ताजा खोज से लाल ग्रह पर प्राचीन जीवन की संभावनाओं को नई दिशा मिल सकती है। नासा के वैज्ञानिक इस खोज को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इन संरचनाओं का अध्ययन मंगल के प्राचीन रहस्यों और उसके जल इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग उजागर कर सकता है। क्यूरियोसिटी रोवर ने 19 और 20 जून को, जो उसके मिशन के क्रमशः 4930वें और 4931वें दिन थे, इन आकृतियों की 360 डिग्री तस्वीरें लीं। इन तस्वीरों में दिख रहे पालीगान लगभग 1.5 से 3 इंच चौड़े हैं और ये मिराफ्लोरेस पहाड़ के चारों ओर लिपटे हुए हैं, जिसके ऊपरी हिस्से पर रेत की मोटी परत जमा है। नासा के वैज्ञानिकों ने इन अजीबोगरीब आकृतियों के बनने के संभावित कारणों पर प्रकाश डाला है।

भारतीय मूल की महिला पर वीजा फ्राड के आरोप से विवाद, अमेरिकी वकील ने दावे को बताया गलत

वाशिंगटन। अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की बायोमेडिकल इंजीनियर साधना गुल्लापुडी को लेकर

सोशल मीडिया पर वीजा फ्राड के आरोप लगाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। एक सोशल मीडिया अकाउंट ने दावा किया कि साधना 2014 से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका में रह रही हैं और इस दौरान वीजा नियमों का उल्लंघन करते हुए काम भी कर रही हैं। हालांकि, ह्यूस्टन के एक वकील ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं और वह अमेरिकी नागरिक हैं। साधना टेक्सास के ह्यूस्टन में रहती हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया कि वह लंबे समय से एफ-1 स्टूडेंट वीजा का इस्तेमाल कर रही हैं और अलग-अलग शैक्षणिक कार्यक्रमों में दाखिला लेकर अमेरिका में रह रही हैं। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि वह डांसर और कैश ट्यूटर के तौर पर काम करती हैं, जो वीजा नियमों के खिलाफ है। उनके कुचिपुड़ी डांस से जुड़ा एक वीडियो भी पोस्ट के साथ साझा किया गया। मामला वायरल होने के बाद ह्यूस्टन के वकील आरोन रिट्ज ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने मामले को देखा है और साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वीजा धोखाधड़ी को गंभीरता से लिया जाता है, लेकिन बिना किसी अवैध गतिविधि के अमेरिका में रहने वाले लोगों का स्वागत किया जाता है। साधना ने भी सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनके बारे में झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है। उनका आरोप है कि उनके कंटेंट को बिना अनुमति दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा किया गया और उसके साथ गलत दावे जोड़े गए।

बांग्लादेश में गुपचुप कर दी बिजली महंगी, कम खपत वालों पर चोट नहीं

ढाका। बांग्लादेश एनर्जी रेगुलेटरी कमीशन (बीईआरसी) ने जून में गुपचुप बिजली की दर बढ़ा दी है। थोक दर 7 टका से बढ़कर 8.39 टका प्रति किलोवाट घंटा की गई है। यह 19.85 फीसद की बढ़ोतरी है। इससे औसत खुदरा दर (रिटेल टैरिफ) भी 16.68 प्रतिशत बढ़कर 9.11 टका से 10.63 टका प्रति यूनिट हो गई है। हालांकि बीईआरसी ने कम खपत वाले ग्राहकों के लिए मिल रही छूट बरकरार रखा है। 50 यूनिट से कम बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवारों के लिए दर 4.63 टका और 75 यूनिट से कम इस्तेमाल करने वालों के लिए 5.26 टका रखी गई। औसत खुदरा दर 10.40 टका प्रति यूनिट तय की गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ा गई दरों के तहत महीने में 76 से 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले घरेलू ग्राहक अब शुरुआती 75 यूनिट से ज्यादा खपत के लिए 8.50 टका प्रति यूनिट का भुगतान करेंगे, जबकि पहले यह दर 7.20 टका थी। महीने में 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवार के लिए बिजली का खर्च 1,294.50 टका से बढ़कर 1,457 टका हो गया है।

जापान लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाली मिसाइल का कर रहा परीक्षण

चीन की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, सामरिक दृष्टि से भारत को मिल सकता है लाभ

टोक्यो

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात के बीच जापान ने अपनी रक्षा नीति में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। जापान अब लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सामरिक दृष्टि से इसका लाभ भारत को भी मिल सकता है, क्योंकि भारत और जापान के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जुलाई के अंतिम सप्ताह में जापान ने दो मिसाइल परीक्षण किए। पहले परीक्षण में जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने अमेरिकी नौसेना के सहयोग से प्रशांत महासागर में कोंगो श्रेणी के विध्वंसक पोत जेएस चोकाई से अमेरिकी टामहाक क्रूज मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। इसके साथ ही जापान युद्धपोत से टामहाक मिसाइल दागने वाला तीसरा विदेशी देश बन गया है। दूसरे परीक्षण में जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने एफ-2 लड़ाकू विमान से उन्नत टाइप-12 एयर-लान्च मिसाइल का परीक्षण किया। इस मिसाइल की मौजूदा मारक क्षमता 900 किलोमीटर से ज्यादा है, जबकि भविष्य में विकसित होने वाले संस्करण की रेंज करीब 1600 किलोमीटर तक हो सकती है। इन मिसाइलों को कम रडार पहचान, नेटवर्क आधारित संचालन और लंबी दूरी तक सटीक हमले की क्षमता के साथ विकसित किया जा रहा है। जापान फिलहाल अमेरिका से 400 टामहाक मिसाइलें खरीद रहा है। इन्हें अंतरिम व्यवस्था के तहत शामिल किया जाएगा, जबकि 2027 तक स्वदेशी लंबी दूरी की मिसाइलों को सेना में शामिल करने की योजना है। हालांकि जापान आधिकारिक तौर पर अपनी रक्षात्मक नीति बनाए रखने की बात कहता है, लेकिन नई सैन्य क्षमताएं यह संकेत देती हैं कि वह जरुरत पड़ने पर दुश्मन के ठिकानों पर जवाबी हमला करने की तैयारी भी कर रहा है।

पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में मिली हुई है खुली छूट

इस्लामाबाद,। पाकिस्तान की सरकार ने बांग्लादेश में आईएसआई के प्रभाव की बात को नकार दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि शेख हसीना और उनके बेटे भारत के संपर्क में है, इसलिए भारत जैसे आरोप उनके देश की एजेंसी पर लगा रहे हैं। इसमें हकीकत में कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल 5 अगस्त को दिल्ली से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कान्फ्रेंस में ढाका में आईएसआई के प्रभाव का मुद्दा उठा था, जिस पर इस्लामाबाद से यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से सवाल किया कि शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद ने ढाका में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के दखल का आरोप लगाया है। इस पर ताहिर ने कहा कि बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों के आपसी आरोपों से पाकिस्तान को कोई मतलब नहीं है। हम उनके अंदरुनी मामले में दखल नहीं देंगे। जहां तक शेख हसीना या उनके बेटे की बात है तो भारत से नजदीकी की वजह से वह ऐसी बात कर रहे हैं। शेख हसीना के अमेरिका में रहने वाले बेटे साजिब ने 5 अगस्त को वर्चुअल प्रेसमीट में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में खुली छूट मिली हुई है। साजिब ने आरोप लगाया कि आईएसआई का बांग्लादेश में काफी ज्यादा प्रभाव है। हमारी सरकार में गिरफ्तार किए गए सैकड़ों मिलिटेंट रिहा हो गए हैं। यह भारत और दुनिया के लिए एक समस्या है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के फैसलों से आतंकवादियों का अगला ग्रुप बांग्लादेश से आ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना की नई दिल्ली में मीडिया से की गई बातचीत से बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार नाराज है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात एक बयान जारी कर पूर्व पीएम हसीना को भगोड़ा करार देते हुए उनके बयानों से दोनों देशों के संबंधों को नुकसान पहुंचाने की बात कही है।

नेपाल में रसोई गैस आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद

काठमांडू

नेपाल की राजधानी काठमांडू समेत देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस (एलपीजी) की कमी धीरे-धीरे कम होने लगी है। नेपाल आयल कारपोरेशन (एनओसी) ने बताया कि इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) से आयात बढ़ने और वितरण प्रक्रिया को सुचारु बनाए जाने के बाद गैस की आपूर्ति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। एनओसी ने 15 जुलाई से 14.2 किलोग्राम के पूरे सिलेंडर की बिक्री फिर शुरू की थी। इसके बाद बाजार में अचानक मांग बढ़ गई, जिससे गैस की कमी पैदा हो गई।

एनओसी के एलपी गैस विभाग के निदेशक बिनितमणि उपाध्याय के अनुसार, 7.1 किलोग्राम के आधे सिलेंडर से फिर पूर्ण सिलेंडर के वितरण की ओर लौटने के शुरुआती दिनों में आपूर्ति पर दबाव पड़ा था, लेकिन अब बिक्री और वितरण व्यवस्था स्थिर होने लगी है। उपाध्याय ने कहा, आईओसी की रिफाइनरियों से रोजाना 100 से अधिक गैस बुलेट लोड किए जा रहे हैं। अधिकतम एक सप्ताह के भीतर आपूर्ति पूरी तरह सुचारु हो जानी चाहिए।

हम उपभोक्ताओं से अनावश्यक रूप से सिलेंडर जमा नहीं करने का आग्रह करते हैं। पश्चिम एशिया में तनाव और संभावित संकट के कारण आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए एनओसी ने 10 मार्च से केवल 7.1 किलोग्राम के आधे सिलेंडर वितरित करना शुरू किया था। एलपी गैस उद्योग संघ के अध्यक्ष कृष्ण भक्त श्रेष्ठ ने बताया कि उपभोक्ताओं ने आधे सिलेंडर में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और पूर्ण सिलेंडर की बिक्री दोबारा शुरू होने की उम्मीद में उन्हें अपने पास रखा। इससे बाद में मांग अचानक बढ़ गई।

उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री गौरी यादव ने बताया कि आगामी बड़े त्योहारों की तैयारी को देखते हुए सरकार अगले तीन महीनों के लिए भारत से नेपाल का गैस कोटा बढ़ाने के संबंध में कूटनीतिक पहल भी कर रही है। वर्तमान में नेपाल में 58 एलपी गैस उद्योग संचालित हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 10,166 मीट्रिक टन है। गैस वितरण को सुचारु बनाने के लिए एनओसी और उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने बाजार की निगरानी तेज कर दी है।

मंत्री यादव और एनओसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बालाजू स्थित नेपाल गैस उद्योग तथा टेकू के कई वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया। एनओसी के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कृत्रिम कमी या कालाबाजारी के कोई प्रमाण नहीं मिले।

अमेरिकी स्कूल में धातु और कांच की पानी की बोतलों पर प्रतिबंध

न्यूयार्क। अमेरिका के हार्डिन काउंटी स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र से स्कूल परिसर और स्कूल बसों में छात्रों को धातु (स्टील या एल्यूमीनियम) और कांच की पानी की बोतलें लाने की अनुमति नहीं होगी। अब केवल प्लास्टिक की पानी की बोतलें ही परिसर में ले जाई जा सकेंगी। अमेरिका के केंटकी राज्य में स्थित हार्डिन काउंटी स्कूल प्रशासन ने यह फैसला छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। यह निर्णय गत कुछ वर्षों में सामने आई कई ऐसी घटनाओं के मद्देनज़र लिया गया है, जहां छात्रों ने भारी स्टील की पानी की बोतलों का इस्तेमाल दूसरे छात्रों पर हमला करने के लिए किया। इन हिंसक घटनाओं के परिणामस्वरूप बच्चों के सिर, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। कई छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और कुछ को सिर में गंभीर चोट (कंकशन) भी झेलनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, जब स्टील की बोतल पूरी तरह पानी से भरी होती है, तो उसका वजन इतना अधिक हो जाता है कि वह किसी कठोर वस्तु की तरह गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इन घटनाओं के मद्देनज़र, स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने सुरक्षा विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की।

अस्थायी समुद्री रूट पर ईरान-ओमान के बीच बन रही सहमति, होर्मुज स्ट्रेट पर डील करीब होने की संभावना

तेहरान

ईरान ने संकेत दिया है कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही के लिए ओमान के साथ एक नए अस्थायी समुद्री ट्रांजिट रूट पर समझौता जल्द हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि दोनों देश फारस की खाड़ी से आने-जाने वाले जहाजों के लिए एक अस्थायी लेन तैयार करने पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी समझौते के होने का मतलब स्ट्रेट का तत्काल पूरी तरह खुलना नहीं होगा।

अराघची ने जून में हुए एक अब समाप्त हो चुके समझौता ज्ञापन का हवाला देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने के लिए अन्य शर्तें भी पूरी करनी होंगी। इनमें अमेरिका की ओर से कथित समझौता उल्लंघन के लिए मुआवजे की मांग भी शामिल है। ईरान और अमेरिका के बीच हुआ संघर्षविराम एक महीने से भी कम समय तक चल पाया था और होर्मुज स्ट्रेट के नियंत्रण समेत कई मुद्दों पर मतभेदों के चलते स्थिति फिर बिगड़ गई। ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित समझौते को लेकर अमेरिका की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। ईरान का कहना है कि अमेरिका इस बातचीत का हिस्सा नहीं है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से होर्मुज में निर्बाध नौवहन बहाल करने की मांग करते रहे हैं। उन्होंने ईरान के खिलाफ नए सैन्य कदम उठाने की चेतावनी भी दी है, अगर समुद्री मार्ग को दोबारा खोलने में बाधा बनी रहती है।

ईरानी बंदरगाहों को लेकर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी एक अहम मुद्दा बनी हुई है। अमेरिकी पक्ष से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यदि ओमान और ईरान के बीच वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने को लेकर समझौते की घोषणा होती है, तो अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने पर विचार कर सकता है। इससे क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक समुद्री व्यापार पर दबाव कुछ कम होने की उम्मीद है। इसी बीच ईरान के सर्वोच्च नेता के अंतरराष्ट्रीय मामलों के वरिष्ठ सलाहकार अली अकबर विलायती ने क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को बाहर जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विदेशी सैन्य मौजूदगी ही क्षेत्र में असुरक्षा का प्रमुख कारण है। विलायती ने क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना है कि हालिया घटनाक्रमों ने ईरान की सैन्य क्षमता और जनता के संकल्प को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय देशों के बीच बेहतर तालमेल से सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत किया जा सकता है।

नेपाल में फिर मानसून सक्रिय, कई जगह भारी बारिश, बर्फबारी की संभावना

काठमांडू

नेपाल में एक बार फिर मानसूनी हवाएं सक्रिय बनी हुई हैं। मौसम अधिकारियों ने कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना जताते हुए संवेदनशील इलाकों के लोगों को मौसमजनित संभावित आपदाओं के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है।

देश भर में सामान्यत: बादल छाये हैं। कोशी, लुंबिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों के साथ-साथ बागमती और गंडकी प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के अनुसार, देशभर में मौसम सामान्यत: बादलयुक्त रहने की संभावना है। देश के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसी तरह लुंबिनी, सुदूरपश्चिम, मधेश, कोशी, बागमती

और गंडकी प्रदेश के कुछ तराई क्षेत्रों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।

महाशाखा ने कोशी, बागमती और गंडकी प्रदेश के पर्वतीय तथा पहाड़ी क्षेत्रों के साथ ही कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। लुंबिनी प्रदेश के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर भी भारी बारिश हो सकती है।

इसी तरह देशभर में मौसम सामान्यत: बादलयुक्त रहने की संभावना है। कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। कोशी, गंडकी, लुंबिनी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के कई पहाड़ी तथा तराई क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान है।

मधेश प्रदेश के कुछ पहाड़ी और तराई क्षेत्रों, कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी इलाकों तथा बागमती प्रदेश के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। महाशाखा ने चेतावनी दी है कि कोशी, गंडकी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के पहाड़ी तथा तराई क्षेत्रों के एक-दो स्थानों के अलावा बागमती प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

ब्राउन ट्री स्नेक के डीएनए में मिले 19 हजार से ज्यादा बदलाव

गुआम। वैज्ञानिकों ने अमेरिकी क्षेत्र गुआम में ब्राउन ट्री स्नेक की बढ़ती आबादी के पीछे का रहस्य का पता लगा लिया है। इन सांपों के डीएनए का विस्तृत अध्ययन कर वैज्ञानिकों ने 19 हजार से अधिक ऐसे आनुवंशिक बदलावों की पहचान की है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन्हीं बदलावों ने इन सांपों को नए वातावरण के अनुसार खुद को ढालने और तेजी से फैलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार, करीब 80 वर्ष पहले कुछ ब्राउन ट्री स्नेक मालवाहक जहाजों के जरिए ऑस्ट्रेलिया से गुआम पहुंच गए थे। शुरुआत में इनकी संख्या बेहद कम थी, लेकिन समय के साथ इनकी आबादी इतनी बढ़ गई कि गुआम के कुछ इलाकों में एक वर्ग मील में लगभग 30 हजार तक ब्राउन ट्री स्नेक पाए जाते हैं। इन सांपों ने कई स्थानीय पक्षी प्रजातियों को लगभग समाप्त कर दिया है और हर वर्ष बिजली व्यवस्था को भी सैकड़ों बार प्रभावित करते हैं। अब तक वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि इतनी कम संख्या से शुरू हुई आबादी आनुवंशिक विविधता की कमी के बावजूद इतनी तेजी से कैसे बढ़ गई। इसका जवाब खोजने के लिए यूनिवर्सिटी एट बफेलो के शोधकर्ताओं ने आधुनिक लॉन्ग-रीड जीनोम सीक्वेंसिंग तकनीक का उपयोग कर सांपों के जीनोम का गहराई से विश्लेषण किया। अध्ययन में 19 हजार से अधिक छिपे हुए आनुवंशिक बदलाव मिले, जिन्हें पहले की तकनीकें पहचान नहीं पाती थीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 अगस्त 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 08:03 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 12:27 तक
योग : वज्र रात्रि 10:26 तक
करण : तैतिल प्रात: 08:03 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 04:44 तक
सूर्योदय : 05:58 ,सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सोम प्रदोष व्रत, चातुर्मास चालू है , भद्रा रात्रि 04:56 से

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

समय और जीव को समझने वाला ही सच्चे अर्थों में धर्म को समझता है : राजमतीजी म.सा.

आचार्य आनंदऋषिजी की जन्म जयंती पर सामूहिक एकासना 13 अगस्त को

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)
जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावस 2026 हेतु बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. मधुकर की पावन परम्परा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. भीम के पावन सान्निध्य से प्रेरित, जिन शासन चन्द्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएँ – जिन शासन दीपिका मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. राजुल, मुस्कानप्रिय स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. सुख–साता पूर्वक विराजमान हैं।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में संघ के सह मंत्री कमल सिंघवी ने बताया कि सर्वप्रथम पूज्य महासती श्री विनयश्रीजी म.सा. ने विधिपूर्वक भक्तामर स्तोत्र का जाप करवाया। इसके पश्चात् उन्होंने अपने प्रेरक प्रवचन की शुरुआत सुंदर गीतिका से की – मेरी आपकी कृपा से सब काम हो रहे हैं, करते हो तुम गुरुवर मेरा नाम हो रहा है, पतवार के बिना ही मेरी नाव चल रही है, करता नहीं मैं कुछ भी सब काम हो रहे हैं। आगे उन्होंने बताया कि यह जिनवाणी जो व्यक्ति सुनता है, वह तर जाता है। चाहे वह कोई पापी, लुटेरा, चोर या धर्मात्मा हो, जब वह जिनवाणी सुन लेता है तो स्वयं को एवं अपने इतिहास के पन्नों में अंकित कर देता है। जो भी मुनिजन, तपस्वी कभी भी अपना नाम शिलान्यास या पत्थर पर नहीं लिखवाते, क्योंकि पत्थर आज है, कल नहीं रहेगा, पर इतिहास तो सदैव रहेगा। आज के समय में अगर हम अपना नाम इतिहास में नहीं लिखवा सकते तो कम से कम अपने नाम को लोगों के दिलों में बना लेना चाहिए। अपने चरित्र को इतनी उच्च कोटि का बनाओ कि देखकर सामने वाला अपना चरित्र बदल ले। कर्म बाँधने में जो शूरवीर होता है, वही कर्म तोड़ने में भी शूरवीर होता है। जीवन में इन तीनों का आशीर्वाद ग्रहण करना सबसे जरूरी है – माँ, महात्मा एवं परमात्मा।

आगे महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि आज का व्यक्ति अकेले रहना, खाना एवं चलना चाहता है, वह कभी भी मोक्ष को प्राप्त नहीं कर सकता। हमारा जीवन लाखों–करोड़ों रुपये से भी कीमती है और यह जीव अगर एक बार चला गया तो फिर वापस नहीं आएगा।

जो समय को समझ लेता है और उसके बाद जीव को समझ लेता है, तो वह सच्चे अर्थों में धर्म को समझ लेता है। धर्मो रक्षितः रक्षति। अपना आचार अगर एक पल के लिए भी बिगड़ गया तो अवश्य नरक गति की ओर अग्रसर होते हैं। हम जैन कुल में तो आ गए, पर सच्चे जैन नहीं बन पाए। मनुष्य को न कोई जाति से मोक्ष मिलता है और न ही नरक। इस पंचम आरे में मोक्ष जाने के द्वार हैं – दान, शील, तप एवं भाव। पुण्यवाणी कब पलटी खाएगी, यह कोई भी अनुमान नहीं लगा सकता।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आयम्बिल एवं एकासना की लड़ी निरंतर चल रही है। प्रवचन के पश्चात् नवकार महामंत्र जाप निरंतर जारी रहा और आज का जाप श्रीमान जवाहरमलजी–सुरेंद्रजी बम्ब सिंघी परिवार की ओर से रहा।

आगे बताया गया कि प्रवचन के पश्चात् गौतमप्रसादी का आयोजन रखा गया, जिसके लाभार्थी श्रीमान चाँदमलजी–विमलकुमारजी–संदीपकुमारजी सांखला परिवार रहे। बहुमान छल्ला, माला एवं साड़ी द्वारा गौतम चाणोदिया, ज्ञानचंद रांका, सुरेश लूणीया, मनीष नाबेड़ा, चंद्रा गादिया व सुनीता सिंघवी ने किया। धार्मिक प्रतियोगिता मेमोरी गेम तेजस्वी बहु मंडल मलकपेट द्वारा रखी गई, जिसके पुरस्कार लाभार्थी श्रीमान कुशलरजजी–राहुलजी–राजेशजी–सम्यकजी पोकरणा परिवार रहे। बहुमान साड़ी, माला द्वारा शीतल सिंघवी, ममता टिकलिया एवं पायल टिकलिया ने किया।

आगे बताया गया कि आगामी गुरुवार 13 अगस्त को राष्ट्र संत आचार्य भगवंत श्री आनंदऋषिजी म.सा. की जन्म जयंती सामूहिक एकासना दिवस के रूप में मनाई जाएगी। आगामी रविवार 16 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन प्रसंग पर श्री जैन महिला मंडल मलकपेट द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात् श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ प्राप्त कर पूज्य साध्वीवृंद का आशीर्वाद ग्रहण किया।

नंदोत्सव 2026 : अनुशासन के साथ जनसंपर्क अभियान को गति दें : सरला बोथरा

जयपुर, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति (जयपुर केंद्र) के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले ङ्गनंदोत्सव 2026फ की तैयारियों को लेकर न्यू सांगानेर रोड स्थित आयोजन कार्यालय में सभी गुरु भक्तों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आश्रम की प्रथम उपासिका श्रीमती सरला बोथरा ने सभी गुरु भक्तों से अनुशासन के साथ जनसंपर्क अभियान को गति देने का आह्वान किया।

संगठित होकर जन–जन तक पहुंचाएं गुरु की वाणी

श्रीमती सरला बोथरा ने कहा कि गुरु की वाणी को जन–जन तक पहुंचाने के लिए हमें संगठित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने सभी गुरु भक्तों से अनुशासन के साथ जनसंपर्क अभियान में सघन रूप से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल बनाने में प्रत्येक गुरु भक्त की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर ब्रह्मर्षि परिवार, जयपुर की ओर से श्रीमती सरला बोथरा का शॉल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को जोड़ने का प्रयास

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि हम सभी का प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक संख्या में लोग गुरुदेव के दर्शन एवं आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करें। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि युवा एवं महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के साथ इस आयोजन के माध्यम से समाज को एक बड़ा संदेश दिया जाएगा।

दिव्य सान्निध्य में होगा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने कहा कि यह आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में सम्पन्न होगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश हेतु पूर्व पंजीयन की व्यवस्था की गई है। इसके लिए ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

गुरुभक्त कमल आत्रेय ने बताया कि बैठक में गुंजन सोनी, केसी विश्नोई, राजेंद्र शर्मा, प्रमोद पालीवाल, आशीष चौहान, सीएम शर्मा, विनोद बोथरा, श्रीमती विनीता बोहरा, श्रीकांत विभूतिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राजधानी जयपुर में दिनभर हुई वर्षा के बीच भी गुरु भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। बैठक में लगभग सौ से अधिक गुरु भक्तों ने उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पेद्दापल्ली में मुत्याला पोचम्मा बोनालु उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

पेद्दापल्ली, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)पेद्दापल्ली शहर में मुत्याला पोचम्मा वाडा की ओर से बोनालु उत्सव धूमधाम से मनाया गया। आषाढ़ माह के अंतिम रविवार को निकाली गई शोभायात्रा में महिलाएं बोनालू लेकर ढोल–मेलों के साथ मजीद मेन रोड जांडा से होती हुई मुत्याला पोचम्मा तल्ली मंदिर पहुँचीं और अम्मा की विशेष पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर शहरवासियों की सुख–समृद्धि, खेतिहर बारिश और अच्छी फसल की कामना की गई। इस आयोजन में वाडा की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

पेद्दापल्ली में शराब की दुकान पर हमला संपत्ति तोड़ी, जान से मारने की धमकी

पेद्दापल्ली, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)पेद्दापल्ली जिले के हनुमंथुनीपेट में शनिवार रात साढ़े सात से आठ बजे के बीच तीन व्यक्तियों ने लक्ष्मी गणपति वाइन्स (गजट संख्या 12) में जबरन प्रवेश कर हंगामा किया। दुकान मालिक विद्यासागर की शिकायत के अनुसार, सुरभि किरण राव, श्रीनिवास राव और पोलासानी सुधाकर राव ने मुफ्त शराब की मांग की। मना करने पर उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग किया, कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी, दुकान की ग्रिल तोड़कर काउंटर में घुस गए, शराब की बोतलें और छत के पंखे के ब्लेड तोड़ दिए। विद्यासागर ने बताया कि इस घटना से दुकान को भारी नुकसान हुआ है। उनके पास सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत मौजूद हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई और दुकान की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सीएम डॉ. यादव एवं सांसद तिवारी ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रावण मास के पावन अवसर पर उज्जैन स्थित विश्वप्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचकर देवाधिदेव महादेव बाबा महाकाल के दर्शन–पूजन का लाभ लिया। इस अवसर पर भाजपा सांसद एवं अभिनेता मनोज तिवारी ने भी बाबा महाकाल के दर्शन कर विधिवत पूजा–अर्चना की।मंदिर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं सांसद मनोज तिवारी का मंदिर के पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी, राजेश गुरुजी, आकाश गुरुजी, संजय गुरुजी एवं संदीप गुरुजी सहित अन्य पुजारियों ने विधिवत पूजन कराया। पूजन के पश्चात पुजारियों ने दोनों को बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्रदान किया तथा उनका सत्कार किया।श्रावण मास में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं सांसद मनोज तिवारी ने बाबा महाकाल से प्रदेश एवं देश की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

बोनालु उत्सव में पूजा अर्चना करते हुए बीआरएस नेता एच कुमार, बाकेश सिंह, श्रीनिवास यादव, गोपाल सिंह, प्रेम कुमार, ज्योति, राजु गुप्ता, रंजीत, ए. रवि कुमार एवं अन्य।

अजय दरक को हैदराबाद–सिकंदराबाद जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत होने पर शुभकामनायें देते हुए सम्पत तोषनीवाल , गोपाल सोमानी एवं अन्य।

मंचेरियल विधायक प्रेम सागर राव ने ऋण आरोपों को किया खारिज

मंचेरियल, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)मंचेरियल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने बैंक ऋण को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। नगर निगम क्षेत्र के नॉर्थिन होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने स्पष्ट किया कि 450 करोड़ रुपये के ऋण में से उन्होंने केवल 109 करोड़ रुपये ही लिए हैं और वह मूलधन सहित ब्याज चुका दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने लगभग एक हजार करोड़ रुपये का कारोबार खड़ा किया था।इसके अलावा विधायक ने गुडेम सत्यनारायण स्वामी मंदिर और मंचेरियल के श्री विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 98 करोड़ रुपये की लागत से गुडेम मंदिर के विकास एवं पुष्कर घाटों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और श्रावण मास तक कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मंदिर परिसर में एक साथ एक हजार जोड़ों के लिए व्रत मंडप का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व डीसीसी अध्यक्ष श्रीमती कोक्किराला सुरेखा, टीपीसीसी उपाध्यक्ष चित्ला सत्यनारायण, मेयर धरनी मधुकर, डिप्टी मेयर सल्ला रम्या–महेश सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं।

इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है।

यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरुष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, 'तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उडा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुडाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता हनुमान विनम्रता से कहते हैं, 'क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। ''राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं। हनुमान जी को सिंदूर क्यों रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है। माता जानकी ने हनुमान की इस भोली उत्सुकता पर कहा, 'पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढाया जाने लगा।

रामकथा सुनते हैं हनुमान माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है। हनुमान ने हदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय

जब हम किसी पर आस्था और विश्वास रखते हैं, तब पकृति भी उन मनोकामनाओं को पूरा करने में उसी राह पर चलने लगती है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी कई विधियां बताई गई हैं यदि आप इन पर पूरी आस्था के साथ विश्वास रखते हैं तो यह जरूर पूरी होती हैं। बुद्धि की इच्छा हम सभी की चाह होती है। विद्यार्थी देवी सरस्वती और भगवान गणेश से बुद्धि का वर मांगते हैं। और वो उन्हें देते हैं। लेकिन ज्योतिष में बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय बताए गए हैं। जिन्हें पूरी श्रद्धा से आजमाकर आप भी बुद्धिमान बन सकते हैं प्रात: दैनिक कार्यों से निवृत होकर पूजा स्थान में जाएं और एक माला गायत्री मंत्र 'ऊं भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात' का रोज जप करें। पूजा स्थल में जाकर रामचरित मानस की इस पंक्ति को 108 बार जपें 'गुरु गृह गये पठन रघुराई, अल्पकाल विद्या सब आई'। गुरुवार के दिन देवी सरस्वती की मूर्ति या चित्र के सामने या फिर अपने अध्ययन कक्ष में रोज 'ऊं मां सरस्वती विद्या देवी नमो नम:' का स्मरण करें। गुरुवार के दिन गरीब बच्चे को पुस्तक, कॉपी, पैंसिल आदि दान करें। काली मिर्च, सोंठ, इलायची और चीनी मिलाकर पीसकर चूर्ण बनाएं और इसे घी में मिलाकर गोलियां बनाएं और प्रतिदिन दो गोली रात्रि को सोते समय दूध के साथ लें। स्मरण शक्ति के साथ एकाग्रता भी बढेगी।

राम नाम से ही दूर होते कष्ट

चैत्र की नवमी तिथि भगवान श्री राम के जन्म की तिथि है। 'नवमी तिथि मुधमास पुनीता/ शुक्ल पक्ष अभिजीत हरि प्रीता अर्थात नवमी तिथि को अभिजीत नक्षत्र में भगवान का अवतरण हुआ था। त्रेतायुग में भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतरित होकर राक्षसी प्रवृत्तियों का संहार किया था। अपने चरित्र और मर्यादा पालन के कारण श्री राम इस संसार के लिए अनुकरणीय हैं। उन्होंने ब्रहम होकर भी कभी नहीं कहा कि वे ब्रहम हैं। उन्होंने संसार के सामने आदर्श चरित्र का उदाहरण प्रस्तुत किया और इसलिए वे युगों का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीराम की स्तुति हमारे अमंगल का हरण करने वाली और मंगल करने वाली है। श्री राम के नाम की महत्ता के विषय में शास्त्रों में एक कथा आती है कि एक बार भगवान शिव कैलाश पर्वत पर ध्यान मग्न बैठे थे। उन्हें इस तरह बैठा मां पार्वती ने पूछा- प्रभु, सारा संसार तो आपका ध्यान करता है फिर आप किसके ध्यान में बैठे हैं। तब शिव बोले- मैं राम का स्मरण कर रहा हूं, जिनका नाम ही परम सुखदायक है। वर्णन आता है कि उन्होंने मां पार्वती से कहा- 'श्री राम राम रामेति रमे रामे मनोरमै/ सहस्त्रनामा तत्तुल्यं राम नाम वराननै। अर्थात हे पार्वती श्रीराम को जपने से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

अभिजीत नक्षत्र में प्रभु राम की अवतरण को सभी जगह उल्लास के साथ मनाया जाता है। विद्वान मानते हैं कि दोपहर 11.45 से 12 तक अभिजीत नक्षत्र रहता है और इसी समय रामनवमी पर प्रभु के प्राकट्य का उत्सव मनाना श्रेयस्कर है। श्रीराम के स्मरण मात्र से ही सभी तरह के क्लेश का नाश हो जाता है। राम रक्षा स्त्रोत का पाठ असहाय स्थिति में हमारी रक्षा करता है। यह सभी तरह के संकटों से हमें उबारता है।

सुखी जीवन का मूलमंत्र

जापान के सम्राट यामातो का एक राज्यमंत्री था। जिसका नाम था 'ओ-चो-सान'। उसका परिवार सौहार्द के लिए बडा प्रसिद्ध था। हालांकि उसके परिवार में लगभग एक हजार सदस्य थे, पर उनके बीच एकता का अटूट संबंध था। सभी सदस्य साथ-साथ रहते और साथ-साथ ही खान खाते थे। फिर उनमें द्वेष कलह की बात ही कहां ओ-चो-सान के परिवार के सौहार्द की बात यामातो के कानों तक पहुंची। सत्यता की जांच करने के लिए एक दिन वे स्वयं वृद्ध मंत्री के घर तक आ पहुंचें।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत बन चुका है आदर्श नारीत्व का प्रतीक

मूलत: यह व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों का है, फिर भी सभी प्रकार की स्त्रियां (कुमारी, विवाहित, विधवा आदि) इस व्रत को करती हैं। इस व्रत को करने का विधान त्रयोदशी से पूर्णिमा या अमावस्या तक है। इस दिन वट (बड, बरगद) का पूजन होता है। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगल कामना से करती हैं। वट सावित्री व्रत सौभाग्य को देने वाला और संतान की प्राप्ति में सहायता देने वाला व्रत माना गया है।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। इस व्रत की तिथि को लेकर भिन्न मत हैं। स्कंद पुराण तथा भविष्योत्तर पुराण के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को यह व्रत करने का विधान है, वहीं निर्णयामृत आदि के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या को व्रत करने की बात कही गई है।

व्रत का विधान

प्रात: काल स्नान आदि से निवृत होकर बांस की टोकरी में रेत भर कर ब्रहमाजी की मूर्ति की स्थापना करें। ब्रहमाजी के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें। इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान की मूर्तियों को स्थापना करके टोकरियों को वट वृक्ष के नीचे ले जाकर रखना चाहिए। ब्रहमाजी और सावित्री के पूजन के पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बरगद की जड में पानी देना चाहिए। पूजा के लिए जल, कलावा(रक्षासूत्र), रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप होने चाहिए। जल से वटवृक्ष को सींच कर उसके तने के चारों और कच्चा धागा लपेट कर तीन बार परिक्रमा करें। अब भीगे हुए बायना निकाल कर, नगद रुपए रख कर सासुजी के चरण स्पर्श करें। यदि सास दूर हो तो बायना वहां भेज देना चाहिए। पूजा के बाद गरीबों, भूखों और ब्रहमणों को दान दें।

इसीलिए कहते हैं तुलसी को विष्णु-प्रिया

कार्तिक शुक्ल की एकादशी को तुलसी पूजन का विधान है। इस वर्ष यह पर्व 3 नवंबर को है। तुलसी पूजन का पर्व पूरे उत्तर भारत में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। तुलसी को विष्णु-प्रिया के नाम से भी जाना जाता है। तुलसी का पौधा भारतीयों के लिए गंगा-यमुना के समान पवित्र है।

व्रत की कथा

प्राचीन काल में जालंधर नाम का दैत्य था। उसने सारे संसार में उत्पात मचा रखा था। दैत्य की वीरता का रहस्य था उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रत धर्म। कहा जाता है कि उसी के प्रभाव से वह विजेता बनता था। दैत्य के उत्पातों से परेशान होकर ऋर्षि-मुनि भगवान विष्णु के पास पहुंचे। भगवान विष्णु ने काफी सोच विचार कर वृंदा का पतिव्रत धर्म भंग करने का निश्चय किया। उन्होंने योगमाया द्वारा एक मृत शरीर वृंदा के घर के बाहर फिकवा दिया। माया का पर्दा होने से वृंदा को अपने पति का शव दिखाई दिया। अपने पति को मृत जानकर वह उस मृत शरीर पर गिरकर विलाप करने लगी। उसी समय एक साधु उसके पास आए और कहने लगे बेटी इतना विलाप मत करो। मैं इस मृत शरीर में जान डाल देता हूं। साधु ने मृत शरीर में जान डाल दी। भावों में बहकर वृंदा ने उस शरीर का आलिंगन कर लिया। बाद में वृंदा को पता चला कि यह तो भगवान का छल-कपट है जबकि उसका पति देवताओं से युद्ध कर रहा था और वृंदा का सतीत्व नष्ट होते ही वह देवताओं द्वारा मारा गया। इस बात का जब वृंदा को पता चला तो उसने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि, जिस प्रकार आपने छल से मुझे पति वियोग दिया है।

उसी तरह आपको भी स्त्री वियोग सहने के लिए मृत्युलोक में जन्म देना होगा। यह कहकर वृंदा अपने पति की अर्थी के साथ सती हो गई। विष्णु अब अपने छल पर बडे लज्जित हुए। माता पार्वती ने वृंदा की चिता-भस्म में आंवला, मालती व तुलसी के पौधे लगाए। भगवान विष्णु ने तुलसी को ही वृंदा का रूप समझा।

इस घटना के बाद त्रैतायुग में भगवान विष्णु ने भगवान राम के रूप में अवतार लिया और सीता के वियोग में कुछ दिनों तक रहना पडा।

परिस्थितियां बदलती हैं हमेशा

एक बार भगवान बुद्ध कहीं जा रहे थे। वह पैदल यात्रा कर रहे थे, इस कारण थक कर एक पेड के नीचे बैठ गए। उनके साथ उनके अन्य शिष्यों के साथ आनंद भी मौजूद थे। भगवान बुद्ध ने कहा, 'आनंद यहां नजदीक एक झरना है, वहां से जल ले आओ।' आनंद झरने के पास पहुंचा, लेकिन वहां गंदा पानी बह रहा था। उन्होंने पानी भरना ठीक नहीं समझा। वह थोडा देर रुके और पानी साफहो गया। उन्होंने साफपानी कमंडल में भरा। और बुद्ध के पास चल दिए। उन्होंने सारा घटनाक्रम तथागत को सुनाया। तब बुद्ध ने कहा, 'आनंद प्रकृति को देखो, परिस्थिति को नहीं। परिस्थिति बदल जाती है, लेकिन प्रकृति स्थिर रहती है। जैसा कि तुमने देखा किस तरह झरने का गंदा जल थोडी देर बाद स्वच्छ हो गया।'

संक्षेप मे ंमनुष्य की भी यही स्थिति है। झरने के पानी की तरह मनुष्य भी बदलता है। मनुष्य हमेशा अपने स्वभाव के अनुरूप वहीं नहीं रहता बल्कि वह बदलता है। यही सनातन नियम है।

जैन धर्म की व्यापकता और दर्शन का श्रेय भगवान महावीर को

लगभग 2500 वर्ष पहले अहिंसा और सहिष्णुता की शिक्षा देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत और आदर्श वर्तमान संदर्भों में और सभी के लिए प्रासंगिक हैं। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रहमचर्य और अस्तेय आदि अनेक उपदेशों को अपनाकर आज भी रामराज्य की स्थापना की जा सकती है। वर्धमान महावीर का जन्मदिन महावीर जयंती के रुप में मनाया जाता है। वर्धमान महावीर जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान आदिनाथ की परंपरा में चौबीस वें तीर्थंकर हुए थे और उनका जीवन काल 511 से 527 ईस्वी ईसा पूर्व तक माना जाता है। उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर में हुआ था। महावीर के पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिसला था। उनका जन्म हिन्दू कैलेंडर के चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को हुआ था। पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया था। भगवान महावीर कठोर तप से अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामन माना गया और इस वजह से उन्हें महावीर कहा गया तथा उनके अनुयायी जैन कहलाए।

जैन धर्म ग्रंथों में उल्लेख है कि महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थायी आधार दिया। उन्होंने श्रद्धा एवं विश्वास के जरिए जैन धर्म की पुन: प्रतिष्ठा की । इसीलिए आधुनिक काल में जैन धर्म की व्यापकता और उसके दर्शन का श्रेय महावीर स्वामी को दिया जाता है। महावीर स्वामी को अर्हत, जिन, निग्रर्थ, अतिवीर आदि नामों से भी जाना जाता है। उन्होंने लोगों को जिओ और जीने दो के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने घोर तपस्या से अपनी इंद्रियों पर विजय हासिल की ली थी। इस पर्व को तप से जीवन पर विजय प्राप्त करने का पर्व भी कहा जाता है। भगवान महावीर के समय में समाज व धर्म में अनेक विषमताएं थी। ऐसे में उन्होंने आडंबरों से घिरे धर्म और अत्याचार से पीडित समाज को नवजीवन दिया। उन्होंने कुरीतियों एवं अंधविश्वासों को दूर करने के साथ धर्म की वास्तविकता को स्थापित कर सत्य एवं अहिंसा पर बल दिया। भगवान महावीर के सिद्धांतों में अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, आत्म स्वातंर्त्य शामिल है।

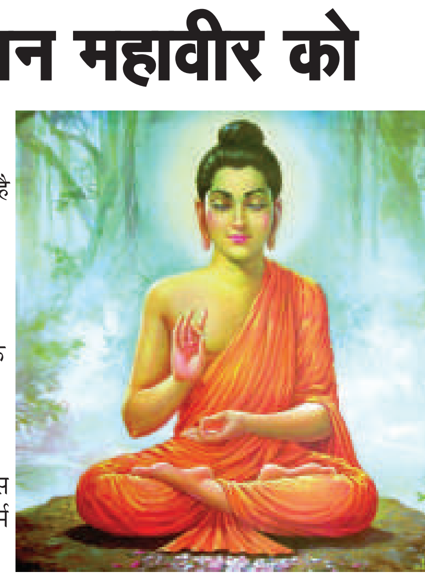

उपदेशों से समाज कल्याण

महावीर जी ने अपने उपदेशों द्वारा समाज का कल्याण किया। उनकी शिक्षाओं में मुख्य बातें थी कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो। इसके अतिरिक्त उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति, तथा छ: आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया। जो जैन धर्म के प्रमुख आधार हुए उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

वैवाहिक सुख शांति के लिए 6 वास्तु टिप्स

अगर आपकी वैवाहिक जिंदगी अच्छी तरह से नहीं चल रही है तो इसका सीधा प्रभाव आपके प्रोफेशन पर आता है। वैवाहिक जीवन में सुख शांति के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। यह उपाय आपने शयन कक्ष और आपके बेड पर आजमा सकते हैं।

हमेशा दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण बेडरूम में ही शयन करें। शयन कक्ष प्रकाश और आंखों को प्रिय लगने वाले रंगों से पेंट किया हो। बिस्तर पर एक गदे का प्रयोग करें। लकडी पलंग वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ माना गया है। शयन का पलंग चौकोर या आयताकार होना चाहिए। आप बेडरूम में ताजा फूल रख सकते हैं।

2017-18 को छोड 2080 तक 15 को ही संक्रांति

उज्जैन के पंचांग विशेषज्ञों के अनुसार मकर संक्रांति करीब 100 साल बाद इस बार 15 जनवरी को मनाई जा रही है। वजह यह है कि पृथ्वी हर साल 50 विकला (यानी 20 मिनट) पीछे रह जाती है। 65 से 100 साल के बीच यह अंतर 24 घंटे का हो जाता है। यही वजह है कि अब 2080 तक संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाएगी।

लीप ईयर के कारण दो साल क्रम बदलेगा और 2017-18 को संक्रांति फिर 14 जनवरी को होगी, क्योंकि साल के दिन घटने से सूर्य पुरानी स्थिति में आ जाएगा। दिन बडे क्यों गणना के अनुसार संक्रांति के दिन से सूर्य उत्तरायण होते हैं, इस कारण दिन बडे होने लगते हैं। हालांकि वैज्ञानिक तर्क है कि 21 दिसंबर से दिन बडा और रात छोटी होने लगती है।

पौराणिक मान्यता महाभारत युद्ध में घायल भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने के बाद शरीर त्यागा था। मान्यता है कि उत्तरायण में देह त्यागने वाली आत्मा कुछ काल के लिए देवलोक चली जाती है या उसे जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है।

गंगा का अवतरण संक्रांति के दिन ही गंगा नदी का अवतरण धरती पर हुआ। इसलिए इस दिन को पावन माना जाता है। इसका संबंध ऋतु परिवर्तन से भी है। संक्रांति से तापमान बढने लगता है। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक तिल-गुड में कैल्शियम और आयरन होता है जो पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ स्टेमिना भी बढाता है। धार्मिक महत्व तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के पसीने से मानी जाती है, जबकि गुड खाने से शनि प्रसन्न होते हैं। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर का स्वामी शनि है। तिल-गुड खाने से सूर्य नारायण व शनि की खुशी प्राप्त होती है।

संक्रांति के मुहूर्त

विशेष पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सुबह 11.27 बजे तक।

सामान्य पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सूर्यास्त (शाम 6.00) तक।

सुझाव

हींग से मिलता है स्वादिष्ट खाना और अच्छी सेहत

हींग कई बीमारियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। आंखों की बीमारी होने पर हींग का सेवन करना चाहिए। हींग बहुत ही अच्छा पाचक चूर्ण है। दिमाग की बीमारियों का इलाज हींग के प्रयोग से होता है। हींग कान के रोगों में भी फायदेमंद है। हींग कफ को ठीक करता है। आइए हम आपको हींग के औषधीय गुणों की जानकारी देते हैं।

हींग के लाभ

दांतों की समस्याओं के लिए हींग बहुत फायदेमंद है। दांतों में कीड़ा लग जाने पर रात में सोते वक्त दांतों में हींग दबाकर साएं। ऐसा करने से कीडे अपने-आप निकल जाएंगे। यदि शरीर के किसी हिस्से में कांटा चुभ गया हो तो उस स्थान पर हींग का घोल भर दीजिए। इससे पीडा भी समाप्त होगी और कांटा अपने आप निकल जाएगा।

» दाद, खाज, खुजली जैसे चर्म रोगों के लिए हींग बहुत फायदेमंद है। चर्म रोग होने पर हींग को पानी में घिसकर उन स्थानों पर लगाने से फायदा होता है।

» बवासीर की समस्या पर हींग का प्रयोग करना फायदेमंद होता है। बवासीर होने पर हींग का लेप लगाने से बवासीर में आराम मिलता है। कब्ज की शिकायत होने पर हींग के चूर्ण में थोडा सा मीठा सोडा मिलाकर रात में सोने से पहले लीजिए। इससे पेट साफ हो जाएगा और कब्ज की शिकायत समाप्त होगी।

» पेट में दर्द व ऐंठन होने पर अजवाइन और नमक के साथ हींग का सेवन करने से फायदा होता है।

» पेट में कीड़े हो जाने पर हींग को पानी में घोलकर एनिमा लेने से पेट के कीड़े शीघ्र निकल आते हैं।

» खाने से पहले घी में भुनी हुई हींग एवं अदरक का एक टुकडा मक्खन के साथ में लेने से भूख ज्यादा लगती है।

» कान में दर्द होने पर तिल के तेल में हींग को पकाकर उस तेल की बूंदों को कान में डालने से कान का दर्द समाप्त हो जाता है।

» उल्टी आने पर हींग को पानी में पीसकर पेट पर लगाने से फायदा होता है।

» सिरदर्द होने पर हींग को गर्म करके उसका लेप लगाने से फायदा होता है।

भारतीय व्यंजनों में खासतौर पर खुशबू और स्वाद के लिए किया जाता है। हींग की तेज खुशबू व्यंजन में एक अलग जायका लाती है। यह दाल में तड़का लगाने से लेकर सब्जी में खुशबू के लिए भी इस्तेमाल की जाती है। आमतौर पर ये गहरे लाल या फिर भूरे रंग की होती है। लेकिन इसके अलावा भी हींग के बहुत सारे फायदे है । जिसकी वजह से इसका इस्तेमाल लगभग हर किचन में किया जाता है। हींग बीमारियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

मॉनसून में इन कपड़ों में रहे कंफर्टेबल और कूल

लड़कियों की यही चाहत होती है की वे हर मौसम में खूबसूरत दिखें। बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में इस मौसम में फैशन के तौर पर बाजार में नए-नए कपड़े और अक्सेसरीज मौजूद हैं जो आपके सौंदर्य को अधिक निखार देंगे। हम आपको बता रहे हैं उन फैब्रिक्स और कलर्स के बारे में जिनसे मॉनसून के सीजन में भी आप दिखेंगी कूल और स्टाइलिश....

कॉटन- हम सभी जानते हैं कि कॉटन गर्मी के साथ ही मॉनसून के सीजन के लिए भी परफेक्ट है। ये बारिश में भीगने के बाद शरीर से चिपकता नहीं है और जल्द ही सूख भी जाता है इसलिए कॉटन के कपड़े बारिश के मौसम के लिए सबसे ज्यादा आरामदायक होते हैं।

शिफॉन- बारिश में शिफॉन सबसे आराम देने वाला होता है और बिना समय लिए सूख भी जाता है। यह शरीर से चिपकता नहीं है। शिफॉन के टॉप, कुर्ती या साड़ी आपको सिर्फ कम्फर्ट नहीं देते बल्कि आपको परफेक्ट लुक भी देते हैं। हालांकि बारिश का मौसम है इसलिए ज्यादा लंबे कुर्ते या ड्रेस पहनना अवॉइड करें।

डेनिम- कई लोगों का मानना है कि डेनिम मॉनसून के लिए नहीं होता लेकिन बारिश के बाद जो कीचड़ हो जाती है उसमें सबसे अच्छा दोस्त डेनिम ही हो सकता है। कॉटन के कपड़ों पर छीटें पड़ने पर वो खराब हो जाते हैं पर डेनिम नहीं होता। डेनिम की केपरी और शॉर्ट्स मॉनसून के लिए परफेक्ट वेयर है।

मॉनसून के रंग

पीला- पीला रंग कई शेड्स में आता है। कुछ बहुत हल्के होते हैं तो कुछ बहुत ज्यादा डार्क होते हैं। मॉनसून में डार्क रंग चुनना ज्यादा बेहतर होता है क्योंकि ये आपको दाग-धब्बों से बचाता है।

नीला- गर्मियों के बाद बारिश के मौसम का अलग ही मजा है। इस मौसम में आसमान भी नीला हो जाता है। गहरा रंग होने के साथ यह एक कूल कलर भी है जो मॉनसून में परफेक्ट होता है।

गुलाबी- हम यहां बेबी पिंक यानि हल्के गुलाबी रंग की बात नहीं कर रहे हैं। गहरा गुलाबी रंग मॉनसून के इस मौसम में आपको परफेक्ट और ग्लोइंग लुक दे सकता है।

लाल- ये रंग सभी रंगों का राजा माना जाता है। इस रंग की एक ड्रेस पहनना या किसी और के साथ मिक्स ऐंड मैच करके पहनना एक परफेक्ट लुक दे सकता है।

सावन में खान-पान भी हो पावन

सावन। मिला-जुला मौसम। रिमझिम फुहारों का महीना। तपिश और उमस का महीना। खान-पान के हिसाब से सतर्क रहने की ऋतु। इसीलिए शायद सात्विक रहने की सलाह दी जाती हो। असल में सावन का वैज्ञानिक महत्व भी है। इस मौसम में फंगस की समस्या रहती है। बासी खाने की मनाही की जाती है।

हरी पत्ते वाली सब्जियों से बचने को कहा जाता है। इसलिए सावन में जितना संभव हो सके खुद की और अपने खान-पान की साफ-सफाई (पवित्रता) पर विशेष ध्यान दें

आहार में ही उपचार

इन दिनों फैलने वाले फ्लू और वायरल से बचने का सबसे अच्छा उपाय है अपने 'इम्यून सिस्टम' यानी रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाना। इसके लिए जरूरी है सही आहार, एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण। अच्छे इम्यून के लिए हमारे आहार में प्रोटीन होना बेहद जरूरी है। प्रोटीन की कमी होने पर हमारा शरीर रोगों से लड़ने के लिए एंटीबॉडीज नहीं बना पाता। इसी तरह विटामिन-सी की कमी से भी इम्यून कमजोर पड़ सकता है। आंवला, खट्टे फल, टमाटर, शिमला मिर्च, कीवी, स्ट्रॉबेरी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत हैं। विटामिन-ई, जिंक भी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करता है। यह साबुत अनाज और मेवों से मिलते हैं।

* इन दिनों खाना हल्का होना चाहिये, जो आसानी से पच जाये।
* बेकरी, मैदे की चीजें से परहेज रखें।
* चाट-पकोड़े जैसी चीजें से भी दूर रहना ही अच्छा है।
* सूप, गर्म दूध, अदरक-तुलसी की चाय संक्रमण से लड़ने में मदद करती है।
* तुलसी, अदरक, लहसुन और शहद फ्लू से बचाने में मदद करता है।
* नारियल, मेथी दाना, लहसुन, कलौंजी और हल्दी भी संक्रमण से बचाते हैं।
* यदि जुकाम हो जाये तो शुरुआत में ही अदरक-शहद लेने से राहत मिलती है। एक चौथाई से आधा चम्मच हल्दी दूध में उबाल कर भी ले सकते हैं।
* लहसुन की 2-3 कलियां मसल कर खायें तो रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ेगी। यह वायरस, बैक्टीरिया, फंगल इन्फेक्शन से बचाता है।
* बरसात के दिनों में पत्तेदार सब्जियां नहीं खानी चाहिये। इनके बजाय तोरी, लौकी, टिंडा, करेला जैसी सब्जियां खायें। इन्हें अच्छी तरह धोयें जरूर।

जानकारी

आयुर्वेद के जरिये ऐसे बढ़ाएं ब्रेन पावर

ब्रेन की मर्जी के बिना शरीर का कोई भी हिस्सा सही प्रकार काम नहीं कर सकता। कई बार अत्यधिक मानसिक परिश्रम व थकान, पाचन संस्थान की गड़बड़ी, शारीरिक और मानसिक दुर्बलता या किसी लम्बी बीमारी के कारण ब्रेन पर असर पड़ने लगता है और हमारी स्मरण शक्ति कम हो जाती है। आइए इस स्लाइड शो के माध्यम से जानें कि आयुर्वेद के जरिये ब्रेन की शक्ति को कैसे बढ़ा सकते हैं।

बादाम

बादाम मे पाये जाने वाले आयरन, कॉपर, फास्फोरस और विटामिन बी यह सभी औषधीय तत्व एक साथ क्रिया करते है। इसलिए बादाम मस्तिष्क, दिल और लीवर को ठीक से काम करते रहने मे मदद करता है। मस्तिष्क की शक्ति बढ़ाने के लिए पांच बादाम रात को पानी में भिगों दें। सुबह छिलके उतारकर बारीक पीस कर पेस्ट बना लें। अब एक गिलास दूध और उसमें इस पेस्ट को और दो चम्मच शहद को डालकर पी लें इससे आपको बहुत फायदा होगा।

ब्राह्मी

ब्राह्मी दिमागी शक्ति बढ़ाने की मशहूर जड़ी-बूटी है। ब्राह्मी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व के कारण इसके नियमित सेवन से मस्तिष्क की शक्ति बढ़ने लगती है। इसका एक चम्मच रस रोज पीना लाभदायक होता है।

अलसी का तेल

अलसी का तेल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है, मस्तिष्क की शक्ति को तेज करता है तथा सोचने समझने की शक्ति को भी बढ़ाता है। नियमित रूप से अलसी के तेल के सेवन से आपको मस्तिष्क सम्बन्धी कोई विकार नहीं होता।

सौंफ

इसका नियमित उपयोग सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। सौंफ और मिश्री को बराबर मात्रा में मिलाकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण को दो चम्मच दोनों समय भोजन के बाद लेते रहने से मस्तिष्क की कमजोरी दूर होती है।

अखरोट

अखरोट में ओमेगा -3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं। इसमें मैगनीज, तांबा, पोटेशियम, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और सेलेनियम जैसे मिनरल्स भी पाये जाते हैं। अखरोट विटामिन ई का बहुत अच्छा स्रोत हैं, जो हमारे मस्तिष्क के लिए काफी फायदेमंद होता हैं।

दालचीनी

दालचीनी सिर्फ गर्म मसाला ही नहीं, बल्कि एक औषधि भी है। यह कमजोर मस्तिष्क की अच्छी दवा है। रात को सोते समय नियमित रूप से एक चुटकी दालचीनी पाउडर को शहद के साथ मिलाकर लेने से मानसिक तनाव में राहत मिलती है और मस्तिष्क की शक्ति बढ़ती है।

जायफल

अपनी गर्म तासीर के कारण बहुत थोड़ी मात्रा में उपयोग होने वाला जायफल के सेवन से मस्तिष्क बहुत तेज बनाता है। इसको खाने से आपको कभी एल्जाइमर यानी भूलने की बीमारी नहीं होती।

काली मिर्च

काली मिर्च खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ औषधीय गुणों से भरपूर भी है। मस्तिष्क की कमजोरी दूर करने एवं स्मरण शक्ति बढ़ाने में काली मिर्च लाभप्रद होती है। 25 ग्राम मक्खन में 5-6 कालीमिर्च मिलाकर नित्य चाटने से मस्तिष्क तेज होता है।

बालों को असमय सफेद होने से रोकती है लौकी

लौकी स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका दूसरा नाम कद्दू व काशीफल भी है। इसका इस्तेमाल अक्सर सब्जी, बर्फी व रायता बनाने के लिए किया जाता है। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. पीसी प्रसाद के मुताबिक थोड़ा सा कड़वा टेस्ट लिए हुए लौकी में बहुत सारे न्यूट्रियेंट्स मौजूद होते हैं। इसलिए इसे ज़्यादा पकाने से इसके न्यूट्रियेंट्स पूरी तरह खत्म हो जाते हैं। हेल्थ स्पेशलिस्ट लौकी के सेवन की सलाह कई तरह की बीमारियों को ठीक करने में अक्सर लोगों को देते हैं।

लौकी खाने के फायदे

1. सुबह 1 ग्लास लौकी का जूस पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इससे बालों का असमय सफेद होने की दिक्कत से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

2. भागदौड़ भरी जिदंगी में काम के टेंशन से बच पाना बहुत मुश्किल है। साथ ही खराब खानपान इसे विल्कुल दोगुना कर देती है। लौकी में मौजूद पानी की मात्रा बॉडी को रिफ्रेश रखने का काम करती है, जिससे तनाव में बहुत राहत मिलती है, कई सारे न्यूट्रियेंट्स शरीर को अंदरूनी रूप से बहुत स्ट्रांग रखते हैं, जिससे तनाव और चिंता जैसी प्रॉब्लम्स से बहुत राहत मिलती है।

3.कब्ज जैसी समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए लौकी खाना बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमे मौजूद फाइबर पेट की अंदरूनी सफाई करता है। साथ ही एसिडिटी की प्राब्लम होने पर लौकी का जूस पीना बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होता है

4. लौकी खा कर शरीर को ठंडा रखा जा सकता है। साथ ही इसका जूस पेशाब करते समय हो रहे जलन की समस्या को भी बहुत दूर करता है

वास्तु के अनुसार कैसा हो घर का मुख्य द्वार

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार के लिए कई नियम बताये गए है, जिनका सीधा संबंध उस घर में रहने वाले लोगों की मानसिक और आर्थिक स्थिति से होता है। घर का मुख्य द्वार वास्तु दोषों से मुक्त हो, तो घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। इसलिए घर का मुख्य द्वार वास्तु दोष से मुक्त होना अत्यंत आवश्यक है। यदि इसमें कोई दोष हो, तो इसे तुरंत वास्तु उपायों के द्वारा ठीक कर लेना चाहिए।

दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार प्रवेश द्वार यदि उत्तर दिशा में है, तो यह घर में सकारात्मक ऊर्जा लाता है। प्रवेश द्वार कभी भी दक्षिण दिशा में नहीं होता। वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा नर्क की दिशा होती है।

प्रवेश दरवाजा

1. दरवाजा दोनों तरफ खुलने वाला होना चाहिए, घर के दरवाजे जब खोले जाएं तो उसमें आवाज ना हो। ये आवाज घर में नकारात्मकता लाती है।

2. प्रवेश द्वार पर हमेशा अच्छी रोशनी होनी चाहिए। इससे लोग आपके घर के प्रवेश द्वार को अच्छे से देख सकते हैं। इसलिए अपने प्रवेश द्वार पर कुछ चमकदार रोशनी लगाएं।

3. भवन के मुख्य द्वार का आकार भवन के अन्य द्वारों की अपेक्षा ब?ा होना चाहिए। दहलीज युक्त भवन का मुख्य द्वार अति शुभ माना जाता है ।

मुख्य द्वार पर शुभ वस्तुएं

1.घर के प्रवेश द्वार के पास पानी से भरा कांच का बर्तन रखें जिसमें खशबू वाले ताजे फूल रखें। इससे घर में सकारात्मकता आएगी।

2.घर में सकारात्मक ऊर्जा आए, इसके लिए स्वयं अपने हाथों से एक माला बनाकर प्रवेश द्वार पर बांध दें। यह माला पीपल, आम या अशोक के पत्तों की होनी चाहिए। वास्तु की दृष्टि में ये तीनों प्रकार के पत्तेनक ारात्मकता को दूर करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

3. घर के प्रवेश द्वार पर लक्ष्मी-कुबेर की तस्वीर लगाने तथा मुख्य द्वार पर लाल रंग का फीता बांधने से धन लाभ होता है।

4.लक्ष्मी जी की तस्वीर के अलावा प्रवेश द्वार पर लक्ष्मी जी के पैर बनाएं। इन्हें आप सिंदूर से बना सकते हैं। इससे घर में समृद्धि आती हैं।

5.लक्ष्मी पद्म-चिह्न के साथ सिंदूर से द्वार के दोनों ओर 'शुभ लाभ' भी लिखें। इससे घर बुरी नजरों से बचा रहता है।

6.प्रवेश द्वार पर स्वस्तिक बनाने से घर में सौभाग्य और समृद्धि आती है। इन शुभ चिह्नों को सिंदूर से बनाना ही शुभ फल देता है।

रेसिपी

पनीर खुरचन

सामग्री

1 1/2 स्पून तेल, 100 ग्राम प्याज, 130 ग्राम शिमला मिर्च, 200 ग्राम टमाटर, 1/4 स्पून हल्दी, 1/2 स्पून लाल मिर्च, 1/2 स्पून धनिया, 1/2 स्पून जीरा, 1/4 स्पून गरम मसाला, 1/8 स्पून हींग, 2 हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक, 250 ग्राम पनीर, 1 स्पून फ्रेश पनीर, 1/2 स्पून सूखी मेथी के पत्ते, धनिया गार्निश के लिए

विधि

एक पैन में 1 1/2 टीस्पून तेल में तेल गर्म कर लें। अब इसमें 100 ग्राम प्याज डालकर हल्का भूरा होने तक भूनें। इसके बाद इसमें 130 ग्राम शिमला मिर्च और 200 ग्राम टमाटर डालकर 5-7 मिनट तक पकाएं।फिर इसमें 1/4 टीस्पून हल्दी,1/2 टीस्पून लाल मिर्च,1/2 टीस्पून धनिया,1/2 टीस्पून जीरा,1/4 टीस्पून गरम मसाला और 1/8 टीस्पून हींग डालकर अच्छे से हिलाएं। बाद में इसमें 2 हरी मिर्च और 1 टेबलस्पून अदरक डालकर दोबारा हिलाएं।अब इसमें 250 ग्राम पनीर डालकर अच्छे से हिलाएं और 5-10 मिनट पकाएं। पकने पर इसमें 1 टेबलस्पून फ्रेश पनीर और 1/2 टीस्पून सूखी मेथी के पत्ते डालकर अच्छे से मिक्स करें। पनीर खुरचन तैयार है। इसे धनिए के साथ गार्निश करके रोटी या नान के साथ सर्व करें।

चीज़ रिंग्स

सामग्री

50 ग्राम टमाटर, 100 ग्राम शिमला मिर्च, 40 ग्राम प्याज, 50 ग्राम पनीर(पिसा हुआ), 30 ग्राम मोजेरिला चीज, 1 टेबलस्पून धनिया, 1/2 टीस्पून अजवायन की पत्ती, 1/2 टीस्पून काली मिर्च, 1/2 टीस्पून नमक, 2 टेबलस्पून केचअप, 80 ग्राम बटर, 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट, 1/4 टीस्पून चिली फ्लेक्स, ब्रेड स्लाइस

विधि

एक बाउल में 50 ग्राम टमाटर,100 ग्राम शिमला मिर्च, 40 ग्राम प्याज,50 ग्राम पनीर(पिसा हुआ),30 ग्राम मोजेरिला चीज,1 टेबलस्पून धनिया, 1/2 टीस्पून अजवायन की पत्ती,1/2 टीस्पून काली मिर्च,1/2 टीस्पून नमक और 2 टेबलस्पून केचअप डालकर अच्छे से मिक्स करें। एक अन्य बाउल में 80 ग्राम बटर,1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट और 1/4 टीस्पून चिली फ्लेक्स डाल अच्छे से मिला लें। एक ब्रेड स्लाइस लें और उसे गोल आकार में काट लें। अन्य ब्रेड स्लाइस लेकर उसे भी गोल आकार में काट लें और दोबारा कूकी कटर के साथ उसे बीच में से काटें। ऐसे ही बाकी की ब्रेड रिंग्स तैयार करें। अब बड़ी आकार में कटी हुई ब्रेड स्लाइस पर लहसुन बटर का पेस्ट लगाएं। बाद में इसपर ब्रेड रिंग रख दें। अब इसके बीच में तैयार किए सब्जियों के मिश्रण को भर दें। ओवन में 350°F/180°C के तापमान पर इन्हें 7-10 मिनट के लिए बेक करें। चीज रिंग्स तैयार है। इसे केचअप के साथ सर्व करें।

संपादकीय

'समय' से संवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत द्वारा 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस' के मंच पर जेन-जी के युवाओं के साथ हुआ संवाद केवल एक औपचारिक भाषण या विचारों का आदान-प्रदान नहीं है। यह समकालीन भारत में पीढ़ियों के बीच की दूरी (जनरेशन गैप) को पाटने और नई पीढ़ी को राष्ट्र-निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का एक दूरदर्शी और व्यावहारिक प्रयास है। जिस दौर में पुरानी पीढ़ी अक्सर युवा वर्ग की जीवनशैली और उनकी असहमति के स्वरों को शंका या नकारात्मकता की दृष्टि से देखती है, उस दौर में शीर्ष नेतृत्व द्वारा जेन-ज़ी और जेन-अल्फा की ईमानदारी पर भरोसा जताना एक बड़ा दृष्टिकोण-परिवर्तन प्रस्तुत करता है। यह स्वीकार करना कि असहमति या आंदोलन का अर्थ राष्ट्रविरोध नहीं है, युवाओं को हाशिए पर धकेलने के बजाय उनमें आत्म-सम्मान और नैतिक उत्तरदायित्व की भावना जगाता है। इस संवाद की सबसे बड़ी विशेषता परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय है। एक ओर जहां शिक्षा के बाजारीकरण के दौर में इसे महज धन कमाने का साधन मानने के बजाय चरित्र निर्माण और जीवन की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में रेखांकित किया गया, वहीं जीडीपी के 6 प्रतिशत हिस्से को शिक्षा पर व्यय करने की दीर्घकालिक मांग का समर्थन कर शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने का स्पष्ट संदेश दिया गया। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने उचित ही कहा है कि शिक्षा और व्यवस्थागत सुधारों को केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए अपितु समाज की सामूहिक सहभागिता होनी चाहिए। उनका यह विचार भारत का विचार है, जिसे वर्षों तक हमारे पुरुखों ने जीकर दिखाया है। इसलिए हमें आज भी गुरुकुल की परंपरा स्मरण आती है। सरसंघचालक जी ने अपने संवाद में उन सभी विषयों को स्पर्श किया है, जो आज के प्रश्न हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत के तहत वैश्विक संघर्षों के समय नागरिक धर्म और मानवीय संवेदनाओं के संतुलन को जिस स्पष्टता से प्रस्तुत किया, वह भारत की चिरंतन शांतिप्रिय नीति को दर्शाता है। उनका यह उद्बोधन आर्थिक और सामाजिक सुधारों के धरातल पर केवल बौद्धिक चर्चा तक सीमित न रहकर जमीनी वास्तविकताओं को छूता है। रोजगार को केवल 'सरकारी या कॉरपोरेट नौकरी' के दायरे से बाहर निकालकर उद्यमिता, कौशल और श्रम की प्रतिष्ठा से जोड़ना बेरोजगारी की समस्या का स्थायी समाधान प्रस्तुत करता है। हम जानते हैं कि आज के समय में युवा पीढ़ी के सामने रोजगार का बड़ा संकट खड़ा है। उसके मूल में स्वरोजगार से दूरी और नौकरी पर अधिक निर्भरता है। हम जिस समय में सोने की चिड़िया कहे जाते थे, तब नौकरी से सबसे आखिरी कार्य माना जाता था। लेकिन आज स्थिति ऐसी बन गई है कि खूब अध्ययन करने के बाद हमारा युवा सबसे पहले नौकरी ही खोजना है। जबकि अपनी मेधा से वह नया रोजगार भी सृजित कर सकता है। अनेक युवा स्टार्टअप के माध्यम से यह करके भी दिखा रहे हैं। जिस प्रकार स्टार्टअप को प्रोत्साहित करके मोदी सरकार ने रोजगार की नई परिभाषा गढ़ी है, उसी प्रकार समाज के प्रबुद्धजनों को युवा पीढ़ी को सिखाना होगा कि नौकरी ही पहला और अंतिम रोजगार नहीं है। बहरहाल, कहना होगा कि यह संबोधन युवाओं को विरोध के स्थान पर 'संवाद', केवल अधिकारों के स्थान पर 'उत्तरदायित्व' और अंध-अनुकरण के स्थान पर 'स्वयं के आचरण से नेतृत्व' करने की प्रेरणा देता है। डॉ. मोहन भागवत का यह मार्गदर्शन आधुनिक आकांक्षाओं और पारंपरिक जड़ों के बीच का वह सेतु है, जिसकी आज के भारत को सर्वाधिक आवश्यकता है।

एक ओर जहां शिक्षा के बाजारीकरण के दौर में इसे महज धन कमाने का साधन मानने के बजाय चरित्र निर्माण और जीवन की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में रेखांकित किया गया, वहीं जीडीपी के 6 प्रतिशत हिस्से को शिक्षा पर व्यय करने की दीर्घकालिक मांग का समर्थन कर शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने का स्पष्ट संदेश दिया गया। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने उचित ही कहा है कि शिक्षा और व्यवस्थागत सुधारों को केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए अपितु समाज की सामूहिक सहभागिता होनी चाहिए। उनका यह विचार भारत का विचार है, जिसे वर्षों तक हमारे पुरुखों ने जीकर दिखाया है। इसलिए हमें आज भी गुरुकुल की परंपरा स्मरण आती है। सरसंघचालक जी ने अपने संवाद में उन सभी विषयों को स्पर्श किया है, जो आज के प्रश्न हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत के तहत वैश्विक संघर्षों के समय नागरिक धर्म और मानवीय संवेदनाओं के संतुलन को जिस स्पष्टता से प्रस्तुत किया, वह भारत की चिरंतन शांतिप्रिय नीति को दर्शाता है। उनका यह उद्बोधन आर्थिक और सामाजिक सुधारों के धरातल पर केवल बौद्धिक चर्चा तक सीमित न रहकर जमीनी वास्तविकताओं को छूता है। रोजगार को केवल 'सरकारी या कॉरपोरेट नौकरी' के दायरे से बाहर निकालकर उद्यमिता, कौशल और श्रम की प्रतिष्ठा से जोड़ना बेरोजगारी की समस्या का स्थायी समाधान प्रस्तुत करता है।

कुछ अलग

चार्जशीट तैयार कर रहा हूं...

भाई और बहनों, डोंट डिस्टर्ब मी! डिस्टर्ब करोगे तो मेरा मिशन सफल नहीं हो पाएगा। मैं बहुत महत्वपूर्ण मिशन पर काम कर रहा हूं और मिशन यह है कि मैं अपने पड़ोसी के खिलाफ एक चार्जशीट तैयार कर रहा हूं। मेरा पड़ोसी हर चौथे पांचवें दिन मेरी गाड़ी पंचर कर देता है। मेरे गमले से फूल तोड़ देता है। मेरे घर के आगे कूड़ा फेंक देता है। मैं पुलिस में गया। बाकायदा शिकायत दर्ज करवाई। लेकिन मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई। मैं इलाके के नेता जी के पास गया। उन्हें बताया कि मैंने पिछले चुनाव में आपको वोट दिया है। लेकिन उसने मुझे पहचानने से इनकार कर दिया। वहां भी मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई। मैं प्रशासन के पास गया। प्रशासन ने कहा कि हमें तो नेताओं से ही फुर्सत नहीं है। थक हार कर मैंने सोचा कि अब मैं कहीं नहीं जाऊंगा और एक चार्जशीट तैयार करूंगा। पड़ोसी के खिलाफ मैंने सारे आंकड़े जुटा लिए हैं। वह पड़ोसी जिसके पास कभी मारुति कार में पेट्रोल डलवाने के पैसे नहीं थे, आज एक करोड़ की गाड़ी लेकर घूमता है। उसके पास पैसे कहां से आए। मैं चार्जशीट में लिखूंगा कि वह दो नंबर का काम करता है। क्योंकि एक नंबर के काम से इतने पैसे और इतनी महंगी गाड़ी का जुगाड़ नहीं हो सकता। पड़ोसी की एक बीवी और दो गर्लफ्रेंड हैं। आज के महंगाई के दौर में बीवी की फरमाइश पूरी करना ही बहुत मुश्किल होता है तो मेरा पड़ोसी बीवी के साथ-साथ दो गर्लफ्रेंड के नखरे कैसे पूरे करता है, यह सवाल मेरी चार्जशीट में होगा। मैंने चार्जशीट को सिर्फ आरोपों तक सीमित नहीं रखा है। इसमें पड़ोसी की पूरी 'उपलब्धियों' का विवरण भी जोड़ा है। मोहल्ले में जहां दो लोग लड़ते हैं, वहां वह सबसे पहले शांति स्थापित करने नहीं, वीडियो बनाने पहुंचता है।

इस्लामिक देशों से मतांतरण के लिए आ रहा धन आतंकी साजिशों में भी इस्तेमाल किया जा रहा

धर्मातरण पर रोक के लिए एफसीआरए पर अंवुश जरूरी

धर्मातरण पर रोक के लिए एफसीआरए पर अंवुश जरूरी विदेशी अंशदान विनिमय अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक में बाधा विपक्ष के साथ विदेशी ताकतें भी बन रही हैं। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने इस संशोधन पर आपात्ति उठाते हुए कहा है कि भारत गैर-सरकारी संगठनों ट्रस्टों शैक्षिण्क संस्थानों और धरमिक संगठनों को विदेश से मिलने वाले चंदे से संबंधित कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों पर चिता जताई है, उन्होंने यहां तक कह दिया कि इस पहल से भारत और अमेरिका के बीच बने चले आ रहे द्विपक्षीय संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। मूर ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि अमेरिका के अलावा अन्य यूरोपीय देश भी भारत में एनजीओ के माध्यम से ईसाईकरण को बढ़ावा दे रहे हैं।

भारत में स्वैच्छिक भाव से दीन-हीन मानवों की सेवा एक सनातन परंपरा रही है। वैसे भी परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता भारतीय दर्शन और संस्वृति का अविभाज्य हिस्सा है। पाप और पुण्य के प्रतिफलों को भी इन्हीं सेवा कायरें से जोड़कर आज भी देखा जाता है। धर्मातरण पर रोक के लिए एफसीआरए पर अंवुश जरूरी विदेशी अंशदान विनिमय अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक में बाधा विपक्ष के साथ विदेशी ताकतें भी बन रही हैं। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने इस संशोधन पर आपात्ति उठाते हुए कहा है कि भारत गैर-सरकारी संगठनों ट्रस्टों शैक्षिण्क संस्थानों और धरमिक संगठनों को विदेश से मिलने वाले चंदे से संबंधित कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों पर चिता जताई है, उन्होंने यहां तक कह दिया कि इस पहल से भारत और अमेरिका के बीच बने चले आ रहे द्विपक्षीय संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। मूर ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि अमेरिका के अलावा अन्य यूरोपीय देश भी भारत में एनजीओ के माध्यम से ईसाईकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। इस्लामिक देशों से मतांतरण के लिए आ रहा धन आतंकी साजिशों में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अतएव राष्ट्रहित के लिए इस विधेयक में संशोधन आवश्यक है। केंद्र सरकार ने विदेशी चंदा नियमन कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले करीब 20,000 स्वयंसेवी संगठनों को अयोग्य करार देते हुए इनके लाइसेंस पहले ही खरिज कर दिए हैं। यह कार्यवाही तब की गईं थी, जब इनके बही-खातों की जांच में बड़े पैमाने पर गड़बिड़यां पाईं गईं थीं। इससे साफ होता है कि सेवा के बहाने ये एनजीओ गोरखधंधे में लगे हुए थे। इनके इतर गृह मंत्रालय ने 13000 संगठनों को विदेशी चंदा लेने के योग्य ठहराया हुआ है। इस कार्यवाही से यह सवाल खड़ा होता है कि आखिरकार देश में इतने गैरसरकारी संगठन क्यों हैं और इनके बने रहने का औचित्य क्या है? इन संगठनों के विधान में यह मूल भावना निहित रहती है कि ये संगठन लोगों में जागरुकता लाकर उनके जीवन में उल्लेखनीय बदलाव के वाहक बनेंगे, लेकिन इस उद्देश्य से भटकर अपवादस्वरूप वुछ एनजीओ को छोड़ दें तो ज्यादातर एनजीओ देशी व विदेशी अनुदान पाकर निजी हित साधने और मतांतरण जैसे गोरखधंधे में लगे हैं। जिन एनजीओ को फॉरेन कांट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के तहत चंदा मिलता है, वे अनाथालय, शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता अभियान चलाने के लिए विदेशों से बेहिसाब चंदा लेते हैं, कितु इस्लाम व ईसाई धर्म से जुड़े एनजीओ धर्मातरण में लगे हैं। आधुनिक अथवा नवीन स्वयंसेवी संगठनों को सरकार की जटिल शासन प्रणाली के ठोस विकल्प के रूप में देखा गया था। उनसे उम्मीद थी कि वे एक उदार और सरल कार्यप्रणाली के रूप में सामने आएंगे। चूंकि सरकार के पास ऐसी कोई जादू की छड़ी नहीं होती कि वह हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान कर सके। इस परिप्रेक्ष्य में विकास संबंधी कार्यामों में आम लोगों की सहभागिता की अपेक्षा की जाने लगी और उनके स्थानीयता से जुड़े महत्व व ज्ञान परंपरा को भी स्वीकारा जाने लगा। वैसे भी सरकार और संगठन दोनों के लक्ष्य मानव के सामुदायिक सरोकारों से जुड़े हैं। समावेशी विकास की अवधारणा भी खासतौर से स्वैच्छिक संगठनों के मूल में अंर्तनिहित है। बावजूद प्रशासनिक तंत्र की भूमिका कायदे-कानूनों की संहिताओं से बंधी है। लिहाजा उनके लिए मर्यादा का उल्लंघन आसान नहीं होता। जबकि स्वैच्छिक संगठन किसी आचार संहिता के पालन की बाध्यता से स्वतंत्र हैं। इसलिए वे धर्म और सामाजिक कार्यो के अलावा समाज के भीतर मथ रहे उन ज्वलंत मुद्दों को भी हवा देने लग जाते हैं, जो उज्जवल भविष्य की संभावनाओं और तथाकथित परियोजनाओं के संभावित खतरों से जुड़े होते हैं। एफसीआरए कनून बनने से पहले गैर सरकारी संगठनों का जो मौजूदा स्वरूप था, वह देशी अथवा विदेशी सहायता नियम अधिनियम के चलते राजनीति से जुड़े दल विदेशी आर्थिक मदद नहीं ले सकते थे। लेकिन स्वैच्छिक संगठनों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं था। इसलिए खासतौर से पामि व इस्लामिक देश अपने प्रच्छन्न मंसूबे साधने के लिए उदारता से भारतीय एनजीओ को अनुदान देने में लगे हैं। आठवें दशक में इन संगठनों को समर्थ व आर्थिक रूप से संपन्न बनाने का काम काउंसिल फॉर एडवांसमेंट ऑफ पीपुल्स एक्शन (कपार्ट) ने भी किया। अपने मूल उद्देश्य से भटके इनमें से ज्यादातर एनजीओ अब सर्वोच्च व उच्च न्यायालयों में पर्यावरण तथा सामाजिक विसंगतियों से जुड़े मुद्दों की जनहित याचिकाएं लगाकर अपना अस्तित्व बचाए हुए हैं। कईं एनजीओ आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद न केवल उनकी जमानत का इंतजाम करते हैं, बल्कि उनके मुकदमें लड़ने के लिए कईं-कईं बड़े वकील भी खड़े करके शीर्ष न्यायालय का दरवाजा भी आदि रात को खुलवा लेते हैं। भूमण्डलीय परिप्रेक्ष्य में नव उदारवादी नीतियां लागू होने और बहुराष्ट्रीय वंपनियों के भारत में आगमन का सिलसिला परवान चढ़ने के बाद तो जैसे एनजीओ के दोनों हाथों में लड्डू आ गए थे। देखतेदेखते दो दशक के भीतर ये संगठन सरकार के समानांतर एक बड़ी ताकत के रूप में खड़े हो गए।बल्कि विदेशी धन और संरक्षण मिलने के कारण ये न केवल सरकार के लिए चुनौती साबित हुए, अलबत्ता आंख दिखाने का काम भी करने लगे। आतंकवादियों और धर्मातरण में लगे एनजीओ ऐसा ही कर रहे हैं। तथाकथित धर्मनिरपेक्ष वामपंथी बौद्धिक भी लालच में आकर इनकी पैरवी में खड़े हो जाते हैं। यही काम अब राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस कर रही है। गोया, इनकी यह पैरवी मतांतरण को प्रोत्साहित करती है। भारत में स्वैच्छिक भाव से दीन-हीन मानवों की सेवा एक सनातन परंपरा रही है। वैसे भी परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता भारतीय दर्शन और संस्वृति का अविभाज्य हिस्सा है। पाप और पुण्य के प्रतिफलों को भी इन्हीं सेवा कायरें से जोड़कर आज भी देखा जाता है। कितु वर्तमान गैर सरकारी स्वैच्छिक संगठनों को देशी-विदेशी धन के दान ने इनकी आर्थिक निर्भरता को दूशित तो किया ही है, इनकी कार्यप्रणाली को भी अपारदशा व भारत विरोधी तक बना दिया है। इसलिए ये विकारग्रस्त तो हुए ही अपने बुनियादी उद्देश्यों से भी भटक गए। इस लिहाज से जो धरमिक व सांस्वृतिक संगठन हैं, उनकी गतिविधियों पर यह नजर रखने की जरूरत है कि वे बहरूपिया बनकर धर्मातरण को बढ़ावा तो नहीं दे रहे? अतएव नए संशोधनों के जरिए विदेशी धन में पारदरशिता लाना राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित करने के साथ यह भी सुनिश्चित करना है कि चंदे में मिले विदेशी धन का उपयोग मतांतरण के लिए तो नहीं हो रहा है। क्योंकि लंबे समय से चले आ रहे इस मतांतरण ने भारत के अनेक राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व में बड़ी विसंगति पैदा कर दी है। अतएव मूर का यह दावा बेबुनियाद है कि इस संशोधन के जरिए भारत सरकार चर्चो और धरमिक कल्याण ट्रस्टों को अधिग्रहण करना चाहती है।

देश दुनिया से

शेख हसीना ने ढाका की बेचैनी बढ़ाई

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का बुधवार का संबोधन एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बयान होने के साथ-साथ अपने समर्थकों के मन को टटोलने का एक गंभीर प्रयास था। उन्होंने एलान किया कि वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी और इसके लिए गिरफ्तारी, जेल या जान का खतरा उठाने को भी तैयार हैं। अपने पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत और 1971 के मुक्ति-संग्राम को याद करके वह भावुक भी हुईं। हालांकि, यह उनका पहला निर्वासन नहीं है। 1981, 1983, 1985 और 2007 का हवाला देते हुए उन्होंने खुद कहा कि पहले भी वह गिरफ्तारी, निर्वासन और जानलेवा हमलों का सामना कर चुकी हैं। बड़ा सवाल केवल उनकी वतन-वापसी का नहीं है। क्या शेख हसीना की वापसी बांग्लादेश में राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा को नई धार देगी या पहले से बंटी हुई सियासत को और गहरे बांट देगी? इस सवाल का जवाब न सिर्फ अवामी लीग का भविष्य तय करेगा, बल्कि बांग्लादेश की घरेलू राजनीति और नई दिल्ली के साथ ढाका के रिश्तों को दिशा भी देगा। अपने संबोधन में हसीना ने तीन मुख्य मांगें रखी हैं- अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए, राजनीतिक कैदियों को फौरन रिहा किया जाए और न्यायपालिका व मीडिया की आजादी बहाल की जाए। मोहम्मद यूनुस के बयान का हवाला देते हुए, जिसमें उन्होंने जुलाई के आंदोलन को 'सुनियोजित' बताया था, हसीना ने 2024 के आंदोलन के पीछे के सियासी षड्यंत्र का प्रमाण भी दिया। न्यायिक जांच को रोके जाने का आरोप लगाकर उन्होंने अंतरिम सरकार को घेरा और मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था की वैधता पर सवाल उठाए। इन सबके दो निहितार्थ हैं- पहला, सन् 1971 की मूल भावना के साथ मुक्ति संग्राम के 'जीत के महीने', यानी 16 दिसंबर के गहरे प्रतीकात्मक महत्व को वह फिर से स्थापित करना चाहती हैं, क्योंकि यह एक ऐसी विरासत है, जिसे अवामी लीग मजबूती से आगे बढ़ाती रही है। दूसरा, अपनी वतन वापसी के लिए उन्होंने राजनीतिक जमीन तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है। गौरतलब यह भी है कि अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भी 1971 की विरासत पर अपना दावा जताना शुरू कर दिया है। बीएनपी के मुताबिक, सशस्त्र संघर्ष जियाउर रहमान और उनकी सेना ने किया था और रेडियो पर बांग्लादेश की मुक्ति की घोषणा भी उन्होंने ही की थी। वैसे, यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि 1975 के बाद बांग्लादेश की राजनीति में जियाउर रहमान की सत्ता के दौरान ही इस्लामी राजनीति को पाकिस्तानी तर्ज पर स्थापित करने का सांविधानिक व राजनीतिक प्रयास किया गया। इस सूरते-हाल में, क्या हसीना का दिसंबर 2026 में उसी जोशो-खरोश से स्वागत हो सकेगा, जैसे 2007 में आम लोगों ने किया था? निस्संदेह, फरवरी के चुनाव में यदि सभी दलों की सहभागिता होती, तो अवामी लीग कम से कम दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक जमात जरूर होती। कानूनी प्रतिबंधों और नेतृत्व के संकट के बावजूद तकरीबन 30 फीसदी वोटरों पर उसका प्रभाव रहा है। ऐसे में, अपनी नेता का स्वागत करने के लिए अवामी लीग के समर्थक बड़ी संख्या में सड़क पर आ सकते हैं। तारिक रहमान सरकार इससे वाकिफ है। यह भी एक वजह थी कि हसीना के संबोधन को बांग्लादेश में प्रसारित नहीं होने दिया गया। दरअसल, आम अवाम में तारिक रहमान की पकड़ अब तक नहीं बन सकी है। वह करीब 17 साल तक बांग्लादेश से बाहर रहे हैं, इसलिए उनके पार्टी काडर भी उनसे जुड़ाव महसूस नहीं कर पाते हैं। उन्हें बस वैकल्पिक नेता माना गया है। इसीलिए शेख हसीना की वापसी की घोषणा से सियासी फिजां में यह सवाल उठने लगा है कि क्या अवामी लीग को फिर से देश की राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने दिया जाएगा? लोकतांत्रिक रूप से जनता से फिर से जुड़ने के मौके तलाशना इस पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी। इन सबका असर भारत-बांग्लादेश संबंधों पर भी पड़ेगा। भारत ने शेख हसीना को सुरक्षा और शरण दी है, जिसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार और भारत की जनता, दोनों का आभार व्यक्त किया, लेकिन दूसरी तरफ, नई दिल्ली ने ढाका के साथ अपना संपर्क भी बनाए रखा है। पिछले डेढ़ दशक में जहां भारत-बांग्लादेश संबंध काफी हद तक हसीना सरकार के साथ राजनीतिक विश्वास पर टिके रहे, वहीं हाल-फिलहाल केंद्र सरकार का प्रयास ढाका के साथ रिश्तों में फिर से गर्माहट लाने का रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक रहमान को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए बुलाया भी है। हालांकि, भारत के नजदीक आने में तारिक रहमान की उलझन जाहिर होती रही है। फरवरी, 2026 में पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए उन्होंने पहले मलेशिया और फिर चीन को चुना, जबकि भारत ने उन्हें पहले ही निमंत्रण भेजा था। उनकी चीन-यात्रा में मोंगला बंदरगाह जैसे संवेदनशील मसलों पर समझौते हुए, जिनसे भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं जुड़ी हैं। इस समय दोनों देशों में कई मुद्दों पर मतभेद हैं- पहला, 1996 की गंगा जल संधि, जिसकी समय-सीमा आगामी दिसंबर में खत्म हो रही है। दूसरा, पिछले पंद्रह वर्षों से लंबित तीस्ता जल बंटवारा समझौता। तीसरा, शेख हसीना का आधिकारिक प्रत्यर्पण और चौथा, सीमा-पार व्यापार को सामान्य बनाना।

आप का नज़रिया

पेपर लीक का सच

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ज्यादा समय लिए बगैर आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। सीबीआई ने साफ कर दिया कि यह लीक अचानक नहीं हुई, इसके लिए आरोपियों ने बहुत सोच-समझकर साजिश रची थी। गहरी साजिश के तहत परीक्षा लेने वाली एजेंसी एनटीए में सेंधमारी की गई थी और तीन विशेषज्ञों को साजिश में शामिल कर लिया गया था। अब तो नाम ही सामने आ गए हैं कि रसायन विज्ञान के लिए पीवी कुलकर्णी, भौतिक विज्ञान के लिए मनीषा संजय हवलदार और वनस्पति विज्ञान व प्राणी विज्ञान के लिए मनीषा गुरुनाथ मंधारे को साजिशकर्ताओं ने अपने साथ मिला लिया था। दिल्ली की एक अदालत में दाखिल किए गए करीब 20,000 पन्नों के आरोपपत्र में आरोपियों का पूरा कच्चा-चिट्ठा खोल दिया गया है। अब विशेष रूप से गठित फास्ट ट्रैक अदालत से यह उम्मीद की जाएगी कि वह आरोपपत्र पर पूरी गति से काम करे। यथोचित सुनवाई हो और दोषियों को ऐसे दंडित किया जाए कि मिसाल बन जाए। पेपर लीक के मामले पूरे देश में सामने आए हैं और जिनसे देश की शिक्षा पर दाग लगे हैं। इतना बड़ा आंदोलन हुआ है और देश के शिक्षा मंत्री को भी इस्तीफा देना पड़ा है। नीट-यूजी परीक्षा से खिलवाड़ करने वालों ने केवल छात्रों को ही नहीं, बल्कि देश को भी धोखा दिया है। कोई संदेह नहीं कि परीक्षा से जुड़े लोगों पर कड़ी निगरानी की जरूरत है, उनके प्रति किसी भी स्तर पर नरमी बरतना ठीक नहीं है। इस पेपर लीक मामले में जांच से पता चला है कि आरोपी विशेषज्ञों को अनुवाद/पुनः अनुवाद प्रक्रिया के दौरान रफ वर्क के लिए गोपनीय अनुभाग के अंदर ही सादे कागज उपलब्ध कराए गए थे। प्रमुख आरोपी पीवी कुलकर्णी ने इन कागजों का इस्तेमाल छोटी-छोटी पर्चियों पर रसायन विज्ञान के 135 प्रश्नों और उनके उत्तरों को संक्षेप में लिखने के लिए किया। इतना ही नहीं, गोपनीय अनुभाग से यह आरोपी अपने लिखे हुए कागज के साथ आसानी से बाहर भी आ गया। इससे पता चलता है, एनटीए से जुड़े विशेषज्ञों पर कड़ाई की पूरी व्यवस्था नहीं थी। अगर संभव हो, तो अब परीक्षा होने तक ऐसे विशेषज्ञों को गोपनीय अनुभाग से बाहर नहीं आने देना चाहिए। उनके रहने, काम करने की पूरी व्यवस्था अलग से सुनिश्चित होनी चाहिए। किसी भी स्थिति में नीट-यूजी परीक्षा में 20 लाख से ज्यादा छात्र बैठते हैं, इतनी बड़ी परीक्षा की एक कीमत एनटीए और उसके विशेषज्ञों को देश के लिए जरूर चुकानी चाहिए। अब एनटीए में वही लोग नियुक्त होने चाहिए, जो गोपनीयता से किसी भी तरह का समझौता न करें। गौरतलब है कि आरोपपत्र में बताया गया है, एनटीए के गोपनीय अनुभाग में प्रवेश और निकास के दौरान विशेषज्ञों की कोई तलाशी नहीं ली गई। सीबीआई ने यह भी बताया है कि वह पिछले साल नवंबर में आठ छात्रों द्वारा बनाए गए फीफा वर्ल्ड कप 2026 नाम के एक वाट्सएप ग्रुप की मदद से आरोपियों तक पहुंची है। पेपर लीक में पुणे की ब्यूटीशियन की भूमिका हो या एक दंत चिकित्सा क्लिनिक की, धोखाधड़ी की कोई भी कड़ी बचनी नहीं चाहिए। एक-एक आरोपी को पकड़ने और उनके साथ यथोचित तरीके से निपटने की जरूरत है। जिस तेजी से सीबीआई ने इस जांच को अंजाम दिया है, उसी तेजी से आगे भी कार्रवाई करने की जरूरत है। देश में जो भी पेपर लीक के मामले हाल के महीनों में सामने आए हैं, उनकी भी सीबीआई को जांच करनी चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए।

गहरी साजिश के तहत परीक्षा लेने वाली एजेंसी एनटीए में सेंधमारी की गई थी और तीन विशेषज्ञों को साजिश में शामिल कर लिया गया था। अब तो नाम ही सामने आ गए हैं कि रसायन विज्ञान के लिए पीवी कुलकर्णी, भौतिक विज्ञान के लिए मनीषा संजय हवलदार और वनस्पति विज्ञान व प्राणी विज्ञान के लिए मनीषा गुरुनाथ मंधारे को साजिशकर्ताओं ने अपने साथ मिला लिया था। दिल्ली की एक अदालत में दाखिल किए गए करीब 20,000 पन्नों के आरोपपत्र में आरोपियों का पूरा कच्चा-चिट्ठा खोल दिया गया है। अब विशेष रूप से गठित फास्ट ट्रैक अदालत से यह उम्मीद की जाएगी कि वह आरोपपत्र पर पूरी गति से काम करे। यथोचित सुनवाई हो और दोषियों को ऐसे दंडित किया जाए कि मिसाल बन जाए। पेपर लीक के मामले पूरे देश में सामने आए हैं और जिनसे देश की शिक्षा पर दाग लगे हैं। इतना बड़ा आंदोलन हुआ है और देश के शिक्षा मंत्री को भी इस्तीफा देना पड़ा है। नीट-यूजी परीक्षा से खिलवाड़ करने वालों ने केवल छात्रों को ही नहीं, बल्कि देश को भी धोखा दिया है। कोई संदेह नहीं कि परीक्षा से जुड़े लोगों पर कड़ी निगरानी की जरूरत है, उनके प्रति किसी भी स्तर पर नरमी बरतना ठीक नहीं है। इस पेपर लीक मामले में जांच से पता चला है कि आरोपी विशेषज्ञों को अनुवाद/पुनः अनुवाद प्रक्रिया के दौरान रफ वर्क के लिए गोपनीय अनुभाग के अंदर ही सादे कागज उपलब्ध कराए गए थे। प्रमुख आरोपी पीवी कुलकर्णी ने इन कागजों का इस्तेमाल छोटी-छोटी पर्चियों पर रसायन विज्ञान के 135 प्रश्नों और उनके उत्तरों को संक्षेप में लिखने के लिए किया।

दृष्टि कोण

मोल की दुल्हन पर चुप्पी, लव मैरिज पर पंचायत?

हरियाणा के जींद जिले में नौगामा खाप की महापंचायत द्वारा प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के 21 गांवों में प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी कथित निर्णय ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो समय-समय पर भारतीय समाज के सामने खड़ी होती रही है—क्या सामाजिक परंपराएं किसी बालिग नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से ऊपर हो सकती हैं? यह विवाद केवल एक पंचायत या एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि बदलते भारतीय समाज, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संतुलन की चुनौती को भी सामने लाता है। खाप पंचायतों का इतिहास सदियों पुराना है। ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में भी उनकी सकारात्मक भूमिका रही है। इसलिए उन्हें केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। किंतु जब कोई निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करता दिखाई देता है, तब उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट कर चुका है कि दो वयस्कों का सहमति से किया गया विवाह कानून की दृष्टि में पूरी तरह वैध है। ऐसी स्थिति में किसी सामाजिक संस्था द्वारा ऐसे विवाहों पर रोक लगाने या सामाजिक बहिष्कार की घोषणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक युवती का वीडियो चर्चा का केंद्र बन गया। उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसे केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर टाला नहीं जा सकता। उसका प्रश्न था कि जब हरियाणा में वर्षों तक कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कियों की संख्या कम होती रही और अनेक परिवार दूसरे राज्यों से महिलाओं को खरीदकर विवाह करने लगे, तब समाज की सामूहिक चेतना उतनी मुखर क्यों नहीं दिखाई दी? यदि सहमति से किया गया प्रेम विवाह सामाजिक संकट माना जाता है, तो मानव तस्करी जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई जाती? यह प्रश्न केवल खाप पंचायतों के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है। दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और बेटियों के प्रति भेदभाव जैसे अनेक सामाजिक संकट आज भी हमारे सामने हैं। यदि समाज की सामूहिक शक्ति इन समस्याओं के समाधान में अधिक सक्रिय हो, तो उसका सकारात्मक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होगा। यह भी सत्य है कि हर प्रेम विवाह सफल नहीं होता। कई बार जल्दबाजी, अपरिपक्व निर्णय या पारिवारिक संवाद की कमी से रिश्तों में तनाव पैदा होता है। माता-पिता की चिंताएं भी कई बार वास्तविक होती हैं। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णय परिपक्वता, पारदर्शिता और परिवार के सम्मान को ध्यान में रखकर लें। संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। उधर सामाजिक संस्थाओं को भी यह स्वीकार करना होगा कि बदलते समय में अधिकारों और स्वतंत्रताओं की नई समझ विकसित हुई है। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है, किंतु वे तभी टिकाऊ होती हैं जब वे न्याय, समानता और मानव गरिमा के साथ सामंजस्य स्थापित करें।

डीपीएल : आउटर दिल्ली वारियर्स ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 25 रन से हराया

नई दिल्ली

यजस शर्मा की आक्रामक पारी और शिवम शर्मा व नवदीप सैनी की शानदार गेंदबाजी के दम पर आउटर दिल्ली वारियर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 25 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में आउटर दिल्ली वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए।

20 ओवर में 216/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया और सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 17.2 ओवर में 191 रन पर समेट दिया। आउटर दिल्ली वारियर्स को मजबूत शुरुआत दिलाने में यजस शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने महज 25 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने टीम के बड़े स्कोर की नींव रखी।

मध्य ओवरों में जोंटी सिद्धू (2/14) और मोनी ग्रेवाल (2/47) ने वारियर्स पर दबाव बनाया, लेकिन टीम ने अंतिम ओवरों में शानदार वापसी की। शिवम शर्मा ने 10 गेंदों में 24, हर्ष त्यागी ने 10 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि कप्तान सिद्धांत शर्मा ने सिर्फ पांच गेंदों में नाबाद 19 रन ठोककर टीम को 200 रन के पार पहुंचाया।

यश धुल ने दी तेज शुरुआत, फिर लड़खड़ाई पारी

217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को कप्तान यश धुल ने तूफानी शुरुआत दिलाई। धुल ने 23 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 47 रन बनाए। हालांकि, प्रथन सलूजा ने उन्हें आउट कर किंग्स को बड़ा झटका दिया।

इसके बाद शिवम शर्मा और हर्ष त्यागी ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स की कमर तोड़ दी। शिवम ने 37 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि हर्ष ने 26 रन देकर दो विकेट चटकाए। 14वें ओवर तक किंग्स का स्कोर 141/8 हो गया और उसकी हार लगभग तय नजर आने लगी।

इसके बाद जसवीर सेहरावत ने शानदार पलटवार करते हुए मुकाबले में रोमांच पैदा कर दिया। उन्होंने सिर्फ 33 गेंदों में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से 62 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने दिविज मेहरा (2*) के साथ नौवें विकेट के लिए केवल 20 गेंदों में 50 रन की साझेदारी कर सेंट्रल दिल्ली किंग्स की उम्मीदें जगा दीं।

हालांकि, नवदीप सैनी ने 18वें ओवर में सेहरावत को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके दो गेंद बाद उन्होंने एक और विकेट लेकर मुकाबला समाप्त कर दिया। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की पूरी टीम 17.2 ओवर में 191 रन पर आउट हो गई और आउटर दिल्ली वारियर्स ने 25 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

न्यूज ब्रीफ

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिपः बसंत ने रचा इतिहास, हाई जंप में जीता रजत

यूजीन। भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। राजस्थान के अनूपगढ़ के 19 वर्षीय बसंत इस प्रतियोगिता के इतिहास में हाई जंप पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। साथ ही इस प्रतियोगिता में ये भारत का दूसरा पदक है। बसंत ने फाइनल में 2.21 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने भारत को मौजूदा चैंपियनशिप का दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में रजत पदक जीता था। स्वर्ण पदक अल्जीरिया के यूनुस अयाची ने जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 2.21 मीटर की ऊंचाई पार करने के बाद तीनों पदक विजेता 2.24 मीटर की ऊंचाई पार नहीं कर सके। इसके बाद काउंटबैक के आधार पर विजेता का फैसला हुआ। अयाची ने 2.21 मीटर अपनी पहली कोशिश में पार किया था, जबकि बसंत को इसे पार करने के लिए दो प्रयास और पूल को तीन प्रयास करने पड़े। इसी आधार पर अयाची ने बसंत को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अनूपगढ़ के रहने वाले बसंत का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिपः शाहनवाज खान ने लंबी कूद में जीता कांस्य

यूजीन। भारत के शाहनवाज खान ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में और बसंत कुमार मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता था। शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था। हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही। दूसरे भारतीय फाइनलिस्ट आर.सी. जितिन अर्जुनन भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.12 मीटर के करीब नहीं पहुंच सके। उन्होंने 7.59 मीटर की छलांग के साथ आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। आस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया। मैकग्रोडर अपनी अंतिम छलांग में महज 0.01 मीटर के अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए।

म्बेउमो के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पीएसजी को 1-1 से बराबरी पर रोका

गाथेनबर्ग (स्वीडन)। ब्रायन म्बेउमो के शानदार गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्री-सीजन मैत्री मैच में यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। उललेवी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के साथ ही यूनाइटेड ने प्री-सीजन में अपना अजेय अभियान जारी रखा। पीएसजी ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। सेनेगल के युवा फारवर्ड इब्राहिम म्बाये ने मैच के दूसरे मिनट के भीतर ही गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। 2026 फीफा विश्व कप में प्रभावित करने वाले म्बाये ने पीएसजी के पहले ही मौके को गोल में बदलकर यूनाइटेड पर दबाव बना दिया। यूनाइटेड को 20 मिनट के बाद बड़ा झटका लगा, जब मेसन माउंट चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए। इसके बावजूद टीम ने दबाव झेला और आधे घंटे का खेल पूरा होने के बाद बराबरी हासिल कर ली। एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ पिछले मुकाबले में दो गोल करके यूनाइटेड को 2-1 से जीत दिलाने वाले ब्रायन म्बेउमो ने एक बार फिर टीम को संकट से बाहर निकाला। उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद यूनाइटेड ने लगातार पीएसजी पर दबाव बनाया और गोल पर छह शाट लगाए, जबकि पीएसजी के खिलाड़ी सिर्फ दो शाट ही लक्ष्य पर रख सके। हालांकि, रूसी गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम को हार से बचाया। माइकल कैरिक की टीम को इससे पहले रेक्सहैम एएफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उसके बाद के तीन मुकाबलों में यूनाइटेड ने दो जीत और एक ड्रा हासिल किया है।

खेल मंत्री मांडविया ने नशामुक्त भारत संदेश के साथ फिट इंडिया संडे आन साइकिल के 85वें संस्करण का किया नेतृत्व

हणोल (गुजरात)

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने गुजरात के हणोल से फिट इंडिया संडे आन साइकिल के 85वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस अवसर पर युवाओं, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत का सामूहिक संकल्प लिया। अभियान का संदेश रहा- फिटनेस को हां कहें, ड्रग्स को ना कहें।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए फिटनेस को स्वस्थ जीवनशैली के सकारात्मक विकल्प के रूप में बढ़ावा देना था।

डा. मांडविया ने संडे आन साइकिल को जन आंदोलन बताते हुए कहा, मुझे खुशी है कि यह पहल प्रधानमंत्री के फिट इंडिया आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़े आंदोलन के रूप में विकसित हुई है। देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर युवाओं ने साइकिलिंग के माध्यम से यह संदेश दिया है। डा. मांडविया ने दिसंबर 2024 में संडे आन साइकिल की शुरुआत की थी। इसके बाद से पूरे देश में ×0 लाख से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले चुके हैं।

दिल्ली में 1000 से अधिक लोगों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

दिल्ली में इसका मुख्य कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सामूहिक नशामुक्त भारत संकल्प रहा, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने नशे से मुक्त जीवन जीने और अपने परिवार, दोस्तों तथा समुदाय को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। 1000 से अधिक लोग स्टेडियम पहुंच गए थे। प्रतिभागियों ने योग और जुंबा जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास पांच किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में कैरम, शतरंज, लूडो और बैडमिंटन के लिए गेम जोन भी बनाया गया। इसके अलावा रस्साकशी और बाधा दौड़ जैसी फिटनेस गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में अभिनेता एवं माडल सिद्धार्थ निगम, अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन गुरवीर सिंह, फिट इंडिया एंबेसडर नरेंद्र कुमार और फिट इंडिया चैंपियन एवं प्रसिद्ध जुंबा प्रशिक्षक मीनल पाठक ने भी हिस्सा लिया।

सिद्धार्थ निगम बोले, फिटनेस को नशे की जगह अपनाएं

साइकिल यात्रा पूरी करने के बाद अभिनेता और जिम्नास्ट सिद्धार्थ निगम ने कहा, सुबह पांच बजे बाहर निकलना और दिल्लीभर के लोगों को इतनी ऊर्जा और उत्साह के साथ साइकिल चलाते देखना शानदार अनुभव था। नशा मुक्त भारत की थीम के साथ फिट इंडिया संडे आन साइकिल कार्यक्रम यह मजबूत संदेश देता है कि हमें हानिकारक नशे की जगह फिटनेस, कड़ी मेहनत और अपने लक्ष्य हासिल करने की आदत अपनानी चाहिए। एक खिलाड़ी के रूप में जिम्नास्टिक्स ने मुझे सिखाया कि अनुशासन बेहतर इंसान बनने की कुंजी है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि ड्रग्स, सिगरेट और शराब से दूर रहें, अपने शरीर का ध्यान रखें और हर दिन कम-से-कम ×0 मिनट फिटनेस के लिए समर्पित करें। फिटनेस का डोज, आधे घंटे रोज।

गुरवीर सिंह ने युवाओं से रोज ×0 मिनट व्यायाम की अपील की

अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी गुरवीर सिंह ने कहा, फिट इंडिया और नशामुक्त भारत युवाओं को फिटनेस की ओर प्रेरित करने और नशे से दूर रखने की बेहतरीन पहल हैं। हर व्यक्ति को हर दिन कम-से-कम ×0 मिनट शारीरिक गतिविधि के लिए समर्पित करना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के प्रदर्शन की भी सराहना करते हुए कहा, राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का ×9 पदकों का प्रदर्शन भी बेहद सराहनीय है और हमारे खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स अपने नाम किया, पहली बार जीता बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

सियोल

भारत की अश्मिता चालीहा ने वापसी करते हुए चीन की हान कियान शी को हराकर बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया है। यह अश्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है।

26 वर्षीय गुवाहाटी की अश्मिता ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम 14-21 से गंवाने के बाद जोरदार वापसी की और अगले दोनों गेम 21-14, 21-14 से जीतकर 53 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

निर्णायक गेम में अश्मिता एक समय 9-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन कोर्ट के दूसरे छोर से मिल रही अनुकूल ड्रिफ्ट का उन्होंने शानदार फायदा उठाया। उन्होंने इसके बाद बचे 15 में से 12 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मई में तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने वाली विश्व की 50वें नंबर की अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वापसी के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंटों में उन्होंने चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था।

इस खिताबी जीत से पहले उनके लिए इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना था, जहां उन्हें दक्षिण कोरिया की उपविजेता पार्क गा-उन से हार मिली थी।

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, गुवाहाटी में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने वाली अश्मिता ने कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की हिना अकेची को हराया था। इसके बाद सेमीफाइनल में उन्होंने अपनी हमवतन रक्षिता रामराज को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई।

कोरिया मास्टर्स का खिताब भारत के लिए लगातार दूसरा महिला एकल बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब है। पिछले सप्ताह तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन का खिताब जीता था।

अश्मिता और तन्वी अब उन चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने महिला एकल में बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब जीता है। इस सूची में साइना नेहवाल, पी.वी. सिंधु और देविका सिहाग भी शामिल हैं।

अरिहा ने एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

मनीला । भारत की अरिहा पंगमबम ने फिलीपींस में जारी एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अरिहा सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। इसी के साथ ही भारतीय टीम को इस कान्टिनेंटल स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक मिला है। अरिहा ने फिलीपींस में हुए फाइनल में कुल 19.100 अंक हासिल किए। उन्होंने आर्टिस्ट्री में 8.650, एग्जीक्यूशन में 7.600 और डिफिकल्टी में 2.850 अंक हासिल कर स्वर्ण अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल उनके व्यक्तिगत कौशल का प्रमाण है, बल्कि भारतीय एरोबिक जिम्नास्टिक के लिए एक मील का पत्थर भी है। अरिहा पिछली एशियन चैंपियनशिप में कुछ ही अंकों से पीछे होने के कारण चौथे स्थान पर रह गई थीं। उस हार से सबक लेते हुए उन्होंने इस बार कोई गलती नहीं की। इस युवा खिलाड़ी ने कहा, यह पदक मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए पदक जीतना चाहती थी। 19 साल की अरिहा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच और माता-पिता को भी दिया।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग : गिल फाजिल्का फाल्कन्स, अभिषेक अमृतसर सूरमाज़ के मार्की खिलाड़ी बने

चंडीगढ़

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल आगामी शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में फाजिल्का फाल्कन्स की ओर से खेलेंगे। वहीं विस्फोटक आलराउंडर अभिषेक शर्मा को अमृतसर सूरमाज़, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को लुधियाना लायंस और विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को जालंधर वारियर्स का मार्की खिलाड़ी बनाया गया है।

रमनदीप सिंह मोहाली किंग्स के मार्की खिलाड़ी होंगे, जबकि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार बठिंडा रायल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंजाब क्रिकेट से जुड़े इन प्रमुख खिलाड़ियों की मौजूदगी से शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लीग पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच उपलब्ध कराएगी। इससे राज्य के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के क्रिकेटरों से सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक आधिकारिक बयान में कहा, पंजाब हमेशा से असाधारण क्रिकेट प्रतिभाओं की भूमि रहा है और शेर-ए-पंजाब टी20 लीग उस प्रतिभा को सामने लाने का महत्वपूर्ण मंच है। शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी राज्य के अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रेरित करेगी। हम चाहते हैं कि पंजाब लगातार ऐसे खिलाड़ी तैयार करता रहे जो सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें।

पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा, शेर-ए-पंजाब टी20 लीग के नए सत्र के लिए मार्की खिलाड़ियों की घोषणा एक उत्साहजनक शुरुआत है। इन खिलाड़ियों ने सर्वोच्च स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और उनकी भागीदारी पंजाब के युवा क्रिकेटरों को सीखने, प्रतिस्पर्धा करने और आगे बढ़ने का अवसर देगी। स्थापित भारतीय सितारों और उभरती प्रतिभाओं का यह संयोजन पंजाब के क्रिकेट ढांचे को मजबूत करने और राज्य के अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए नए अवसर पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मार्की खिलाड़ियों की टीमें

- शुभमन गिल — फाजिल्का फाल्कन्स
- अभिषेक शर्मा — अमृतसर सूरमाज़
- अर्शदीप सिंह — लुधियाना लायंस
- प्रभसिमरन सिंह — जालंधर वारियर्स
- रमनदीप सिंह — मोहाली किंग्स
- गुरनूर बरार — बठिंडा रायल्स

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज सोमवार से, डुप्लांटिस और इंगब्रिग्त्सेन पर रहेंगी नजरें

बर्मिंघम

विश्व रिकार्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांड मोंडो डुप्लांटिस समेत दुनिया के 10 मौजूदा चैंपियन सोमवार से शुरू हो रही यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में पदक के लिए उतरेंगे। ब्रिटेन में पहली बार आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में 49 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे और 50 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा।

डुप्लांटिस पुरुषों की पोल वाल्ट स्पर्धा में आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके अलावा आइजैक नाडेर (1500 मीटर), जिमी ग्रेसियर (5000 और 10,000 मीटर), मैटिया फुरलानी (लंबी कूद), पेड्रो पिचार्डो (त्रिकूद), डेनियल स्टाहल (चक्का फेंक) और लियो न्यूगेबायर (डेकाथलान) मौजूदा विश्व चैंपियन हैं।

महिलाओं में फेमके बोल (400 मीटर बाधा दौड़), दिताजी कांबुंडी (100 मीटर बाधा दौड़) और मारिया पेरेज प्रमुख विश्व चैंपियन हैं।

चौथे लगातार यूरोपीय खिताब पर डुप्लांटिस की नजर

डुप्लांटिस, जैकब इंगब्रिग्त्सेन, मिल्टियादिस टेंटोग्लू और नार्वे के 400 मीटर बाधा धावक कार्स्टेन वारहोम लगातार चौथा यूरोपीय खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। वहीं यारोस्लावा माहुचिख और कीली हागिन्सन लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगी। डुप्लांटिस लंदन डायमंड लीग में बायीं जांघ की समस्या के कारण हिस्सा नहीं ले पाए थे।

उन्होंने वहां 5.95 मीटर की छलांग लगाने के बाद प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। हालांकि जांच में कोई चोट नहीं मिली और अब वह बर्मिंघम में वापसी के लिए तैयार हैं।

डुप्लांटिस अब तक 15 बार विश्व रिकार्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने 2020 में 6.17 मीटर के साथ पहली बार विश्व रिकार्ड बनाया था, जबकि उनका मौजूदा विश्व रिकार्ड 6.31 मीटर है, जो उन्होंने मार्च में स्वीडन में बनाया था।

चोट के बाद वापसी करेंगे इंगब्रिग्त्सेन

नार्वे के जैकब इंगब्रिग्त्सेन भी बर्मिंघम में वापसी करेंगे। जनवरी में एड़ी की सर्जरी के बाद उन्होंने 2026 में अब तक कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह बर्मिंघम में केवल 5000 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगे।

इंगब्रिग्त्सेन पिछले तीन यूरोपीय चैंपियनशिप में 1500 और 5000 मीटर के खिताब जीत चुके हैं। वह 2018 से यूरोपीय चैंपियनशिप में अजेय हैं और अब तक छह स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

घरेलू सितारों पर भी रहेंगी निगाहें

मेजबान ब्रिटेन की ओर से ओलंपिक 800 मीटर चैंपियन कीली हागिन्सन, उनकी ट्रेनिंग पार्टनर जार्जिया हंटर-बेल और 2022 की विश्व 1500 मीटर चैंपियन जेक वाइटमैन प्रमुख दावेदार होंगे।

ब्रिटेन की दिग्गज धाविका दीना एशर-स्मिथ भी इतिहास रचने के करीब हैं। 100 मीटर की दो बार की यूरोपीय चैंपियन एशर-स्मिथ एक और खिताब जीतने पर क्रोएशिया की चक्का फेंक खिलाड़ी सैंड्रा एल्केसिच के सात स्वर्ण पदकों के रिकार्ड को पीछे छोड़कर चैंपियनशिप इतिहास की सबसे सफल एथलीट बन सकती हैं। इस बार पहली बार मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले भी चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। 10 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को 50-50 हजार यूरो की पुरस्कार राशि भी दी जाएगी।

29वीं कांवड़ यात्रा 16 अगस्त को, तैयारियां जोर-शोर से जारी

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भगवान शिव के प्रति अनूठी आस्था और श्रद्धा का प्रतीक 29वीं कांवड़ यात्रा आगामी 16 अगस्त को भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। यात्रा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यहां प्रचार मंत्री नंदगोपाल भट्टड़ एवं सह-प्रचार मंत्री पंकज वर्मा डरा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सोमवार 10 अगस्त 2026 से चारमिनार स्थित श्री महादेव मंदिर में कांवड़ निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। यात्रा के प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश जगनानी एवं विजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा के लिए हरिडर की हर की पौड़ी से डीसीएम के माध्यम से पवित्र गंगाजल हैदराबाद लाया गया है।

संघ के कोषाध्यक्ष चम्पालाल बैद ने बताया कि 16 अगस्त को सुबह 6:31 बजे श्री महादेव मंदिर, चारमिनार से कांवड़ यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा का पहला पड़ाव पुतलीबावली स्थित उस्मानिया मेडिकल कॉलेज मेट्रो स्टेशन के पास वी.वी. फंक्शन हॉल, ओल्ड अशोक थिएटर में होगा, जहां श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी।इसके बाद यात्रा चादरघाट चौराहे के समीप स्थित ग्रैंड इम्पीरियल फंक्शन हॉल पहुंचेगी। यहां मध्याह्न भोजन एवं विश्राम की व्यवस्था रहेगी। यह यात्रा का दूसरा पड़ाव होगा।

इसके पश्चात कांवड़ यात्रा पुनः प्रारंभ होकर चम्पापेट स्थित मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल पहुंचेगी। यह यात्रा का अंतिम पड़ाव होगा। यहां हाई-टी, शिव भंडारा, रात्रि महाजागरण एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की जाएगी।

आयोजकों ने बताया कि शिव भंडारा एवं शिव महाजागरण का आयोजन रविवार, 16 अगस्त को रात 8 बजे से मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल, चम्पापेट में किया जाएगा। इस अवसर पर हैदराबाद के गायक राजू मुरारी दाहिमा डरा भजन प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं प्रयागराज की रिया प्रिया नृत्य मंडली डरा आकर्षक झांकी प्रस्तुत की जाएगी। आयोजकों ने बताया कि संवत् 2083, पवित्र श्रावण शुक्ल नाग पंचमी, सोमवार 17 अगस्त को गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा। कांवड़ियों डरा हरिडर की हर की पौड़ी से लाए गए पवित्र गंगाजल से ब्रह्म मुहूर्त में सरूरनगर स्थित श्री उमा माहेश्वर स्वामी वारी देवस्थानम् में भगवान शंकर का अभिषेक किया जाएगा। 17 अगस्त को कांवड़ यात्रा पुनः श्री उमा माहेश्वर स्वामी वारी देवस्थानम्, सरूरनगर के लिए रवाना होगी और ब्रह्म मुहूर्त में गंगाजल अभिषेक किया जाएगा।

संघ की महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा ने बताया कि कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले अतिथियों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं और भक्तों से इस धार्मिक आयोजन में सहभागी बनने का आग्रह किया।

संघ के सह-प्रचार मंत्री पंकज वर्मा एवं उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं का स्वागत करने वाली सभी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से विशेष आग्रह किया है कि वे श्रद्धालुओं का स्वागत केवल पुष्पवर्षा से करें। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ अथवा अन्य वस्तुओं का वितरण न किया जाए, ताकि कांवड़ यात्रा सुचारू, व्यवस्थित एवं निर्बाध रूप से संपन्न हो सके।

संघ के अध्यक्ष श्री मांगेराम तायल, सुनील कुमार अग्रवाल, कमल किशोर मलानी, मीनू गुप्ता, पंकज वर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, मनीष किंकाण, अभिनव अग्रवाल, भारत अग्रवाल, कुणाल गोयल, भारत छाबरिया, पूर्वा अग्रवाल, सोनाली वर्मा, उम्मीद अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने नगर के सभी शिव भक्तों से 29वीं कांवड़ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है।

स्कूल शिक्षा निदेशालय में धूमधाम से मनाया गया बोनालु उत्सव

निदेशक डॉ. नवीन निकोलस और गणमान्य हस्तियों ने की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):

हैदराबाद स्थित स्कूल शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टर ऑफ स्कूल एजुकेशन) परिसर में श्री नागराज, श्री रविंदर, श्री वेंकटेश, श्री शिव, श्री संतोष एवं उनकी टीम द्वारा बोनालु उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर हैदराबाद के स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. नवीन निकोलस सर द्वारा दुर्गा माता की विशेष पूजा-अर्चना की गई।

कार्यक्रम में महबूबाबाद के डीईओ (एज) श्री सत्यनारायण मूर्ति, सहायक निदेशक (अू) श्री सत्यनारायण, श्री श्रीनिवास रेड्डी, श्री सागर, टीएनजीओ (ढछत्रह्लड) यूनियन स्कूल एजुकेशन तेलंगाना सेंट्रल फोरम के अध्यक्ष श्री के. आर. राजकुमार, फोरम के संयुक्त सचिव श्री सुदर्शन, ईसी सदस्य श्री योगी, तथा सेवानिवृत्त एडी श्री लक्ष्मीपति रेड्डी उपस्थित रहे।

इसके अलावा जी. राजकुमार, भाग्यलक्ष्मी, सुमन, जे. श्रीनिवास, रामचंद्र रेड्डी, वेंकटेश, सुजाता, श्रीषा, क्रिस्टोफर, रामेश्वर, कृष्णा, जंबैया, अनिल, राजेंद्र, श्रीकांत (एमडीएम), खुशाल, रवि, प्रवीण, मधु, कृष्णा राव, शशिकला, यदम्मा, रविकांत सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पेद्दापल्ली में नागरिक अधिकार समिति का विरोध प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)0विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर संयुक्त करीमनगर जिला नागरिक अधिकार समिति (सीएलसी) ने पेद्दापल्ली जिला केंद्र में अंबेडकर प्रतिमा पर विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। जिला अध्यक्ष बोंकुरी लक्ष्मण की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा और सरकारी नीतियों में सुधार की मांग उठाई गई।

नागरिक अधिकार संघ के राज्य सहायक सचिव मदन कुमारस्वामी ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त विशेष सुरक्षा के बावजूद आदिवासियों की जमीन, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों का शोषण जारी है। उन्होंने माइनिंग, उद्योग और विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासियों के विस्थापन की गतिविधियां रोकने, 1/70 एक्ट सख्ती से लागू करने, गैर-कानूनी तरीके से हस्तांतरित आदिवासी भूमि वापस दिलाने और वन अधिकार कानून-2006 के तहत लंबित आवेदनों का निपटारा करने की मांग की।

आईएफ़टीयू के राज्य अध्यक्ष के. विश्वनाथ ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, रोजगार और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार की मांग की, जबकि तेलंगाना प्रजा फ्रंट के राज्य सचिव गंडला मल्लेशम ने कहा कि आदिवासियों को उनकी जमीन, जंगल और संस्कृति से अलग किए बिना विकास नीति बननी चाहिए। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस को केवल एक दिवसीय आयोजन नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष के अवसर के रूप में मनाने की अपील की।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे सेवा कार्यों के अंतर्गत आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। ग्रुप का उद्देश्य सेवा के माध्यम से समाज में सहयोग, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के दौरान मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया।

गिग वर्कर्स के समर्थन में ऑटो कर्मियों का जोरदार प्रदर्शन

इंकलाब सेना पार्टी के नेतृत्व में बुलंद आवाज़

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गिग वर्कर्स के अधिकारों, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के समर्थन में इंकलाब सेना पार्टी के नेतृत्व में हैदराबाद में ऑटो यूनियनों और ऑटो कर्मियों की भागीदारी के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में विजय बाबू, राजेश मुदिराज, प्रवीण, सुधा चंद और भास्कर रेड्डी सहित कई ऑटो कर्मियों ने भाग लिया और गिग वर्कर्स की समस्याओं एवं चुनौतियों के समाधान की मांग को लेकर अपनी आवाज़ बुलंद की। नेताओं ने ऑटो और गिग वर्कर्स के लिए बेहतर आय सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाएं, बीमा कवरेज, सामाजिक सुरक्षा और सरकार की उचित सहायता सुनिश्चित करने की मांग की।

नेताओं ने कहा कि इंकलाब सेना पार्टी हमेशा श्रमिकों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए मजबूती से खड़ी रहेगी और उनके हक की लड़ाई जारी रखेगी।

अत्तापुर स्थित ठाकुर शेर सिंह, शारदा ठाकुर, शैलेंद्र सिंह एवं सुनन्दा ठाकुर के निवास स्थान पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ रुद्राभिषेक पूजन संपन्न हुआ। रुद्राभिषेक पूजन के अवसर पर श्रवण सिंह, शत्रुघ्न सिंह, शौर्य सिंह, श्रेयस सिंह, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, आचार्य पुष्पेंद्र शुक्ला, गौ रक्षक नीलेश मुंदड़ा, मनोज काकड़ा, अशोक पंडित, आनंद शर्मा, भरत ओझा, पूनमचंद, राकेश भगत, गोपाल नवल एवं दायमा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नागोल स्थित किनेटिक ई-बाइक के नूतन शोरूम के उद्घाटन अवसर पर श्री नवरतनमलजी, मुकेशजी, जिनेन्द्रजी गुंदेचा एवं श्री घेवरचंदजी, विनोदजी, अजितजी, अंकितजी भलगत को शुभकामनाएं देते हुए कुशलराज पोकरणा, गौतम कोठारी, अशोक सिंघवी, सुरेश गादिया, दिलीप गादिया एवं पारस डोसी।

सीएम शुभेंदु का बड़ा ऐलान

आरजी कर रेप केस फिर खुलेगा

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त 2024 की रात 31 वर्षीय प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और निर्मम हत्या के मामले में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में नए सिरे से जांच की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पुलिस अपनी ड्यूटी निभाने में नाकाम रही थी। यह मामला विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की हार की बड़ी वजहों में से एक था।

जून में विधानसभा में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दुष्कर्म पीड़िता की मां को भरोसा दिलाया था कि उनकी बेटी को न्याय मिलेगा। उनकी बात सुनकर सदन में मौजूद पीड़िता की मां और भाजपा विधायक भावुक हो गई थीं।9 अगस्त 2024 को 31 वर्षीय स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ अस्पताल के अंदर दुष्कर्म और हत्या की घटना हुई थी। उस समय तृणमूल कांग्रेस सत्ता में थी। मृतका के लिए ङ्गअभयाफ नाम का इस्तेमाल किया गया था।

विधानसभा में राज्यपाल के भाषण पर चर्चा के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर सरकार की ङ्गशून्य सहनशीलताफ की नीति है। उन्होंने कहा था कि आरजी कर मामले में न्याय मिलेगा और बंगाल के लोगों ने अभया को इंसाफ दिलाने के लिए वोट दिया है।

अधिकारी ने यह भी कहा था कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए तीन भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को निलंबित किया गया था और संदीप घोष को पद से हटा दिया गया था। उन्होंने कहा था कि मामले में सब कुछ साफ किया जाएगा।

पीड़िता की मां ने बाद में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी बेटी को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा था कि वह सत्ता के लिए नहीं, बल्कि अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए वहां आई थीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश...

दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के बीच झंडा बैठक भी हुई। हालांकि, रात तक दीपांकर की वापसी नहीं हो सकी और उसके बांग्लादेश सीमा सुरक्षा बल की हिरासत में होने की बात सामने आई।इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर दीपांकर यह कहते हुए नजर आ रहा है कि उसे तभी छोड़ा जाएगा, जब हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक को रिहा किया जाएगा। हालांकि, इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। सीमा सुरक्षा बल लगातार बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में है और किसान की सुरक्षित वापसी की कोशिश की जा रही है। सीमा क्षेत्र में घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि घटना में किसी संगठित सीमा पार आपराधिक गिरोह की भूमिका तो नहीं है।

पिता बोलेङ्गबस मेरा बेटा सुरक्षित वापस आ जाए

दीपांकर के पिता मिश्री लाल गोप ने बेटे के अपहरण को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि उनका बेटा सुबह बागान गया था और करीब 20 बांग्लादेशी उसे वहां से ले गए। उनके मुताबिक दोनों पक्षों के बीच झंडा बैठक चल रही है।मिश्री लाल गोप ने दावा किया कि कुछ दिन पहले सीमा सुरक्षा बल ने एक व्यक्ति को तारबंदी काटते हुए पकड़ा था। उनका मानना है कि पंचगढ़ के लोगों ने इसी घटना का बदला लेने के लिए उनके बेटे को अगवा किया हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से अपने बेटे को सुरक्षित वापस लाने की अपील की है।

सीमा से सटे गांवों के लोगों में भी इस घटना को लेकर गहरी चिंता है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां कई लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास खेतों और बागानों में नियमित रूप से काम करते हैं। ऐसे में यदि किसी पुरुष को सीमा पार से आकर अगवा किया जा सकता है, तो महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी डर बढ़ गया है।

सीमा पर रहने वाले ग्रामीणों ने मांगी सुरक्षा

एक स्थानीय निवासी ने कहा कि गांव के लोग दीपांकर की सुरक्षित वापसी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक वह वापस नहीं आया है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि सीमा क्षेत्र में काम करने वाले पुरुष सुरक्षित नहीं हैं, तो आने वाले दिनों में महिलाओं के खेतों में काम करने को लेकर भी चिंता बनी रहेगी।ग्रामीणों ने प्रशासन से सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि सीमा के नजदीक रहने वाले लोगों को बिना डर के खेती और बागान का काम करने का माहौल मिलना चाहिए।फिलहाल, सीमा सुरक्षा बल बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। किसान की सुरक्षित वापसी के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां घटना के पीछे संभावित संगठित सीमा पार अपराध और तस्करी नेटवर्क की भूमिका की जांच कर रही हैं।

पीओके वोटिंग टली...

इन चुनावों के जरिए पीओके पर अपने अवैध कब्जे को छिपाने और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।आंदोलनों के सफल होने से जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी का जनाधार बढ़ा है। अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर पीओके को अधिक स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है।सबसे बड़ी मांग 12 आरक्षित सीटें खत्म करने की है। पीओके विधानसभा की कुल 45 सीटों में से 12 सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं।जेएएसी का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें पीओके की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

संगठन के मुताबिक, इन 12 आरक्षित सीटों के कारण स्थानीय मतदाताओं की राय का प्रभाव कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को इसका राजनीतिक लाभ मिलता है।

भारत ने चुनाव को बताया दिखावटी प्रक्रिया

भारत लंबे समय से पीओके में होने वाले चुनावों को खारिज करता रहा है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान को उस क्षेत्र में कोई राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है, जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है।

विदेश मंत्रालय ने पीओके चुनाव को पाकिस्तान के अवैध कब्जे को सही ठहराने की कोशिश बताते हुए इसे ङ्गदिखावटी प्रक्रियाफ करार दिया है। भारत ने यह भी आरोप लगाया है कि पाकिस्तान चुनावों के जरिए अपने कब्जे को छिपाने और इलाके में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है।

नवाज शरीफ पीओके के प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं

पीएमएल-एन के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 22 जुलाई को कहा था कि यदि उनकी पार्टी पीओके में जीतती है, तो वह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उन्हें पीओके का प्रधानमंत्री बनाने के लिए कहेंगे।हालांकि, पीओके के मौजूदा संविधान के मुताबिक प्रधानमंत्री का चुनाव विधानसभा के मुस्लिम सदस्यों में से ही किया जाता है। विधानसभा सदस्य बनने के लिए व्यक्ति का पीओके का स्थायी निवासी होना तथा चुनावी सूची में उसका नाम होना जरूरी है।नवाज शरीफ इस चुनाव में पीओके विधानसभा की किसी सीट से उम्मीदवार नहीं हैं। ऐसे में केवल पीएमएल-एन का अध्यक्ष होने या शहबाज शरीफ की मंजूरी मिलने से नवाज शरीफ सीधे पीओके के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते।

बेटे को...

स्पष्ट होने में मदद मिलेगी। इसके आधार पर पुलिस आरोपी के खिलाफ लागू कानूनी धाराओं में कार्रवाई कर सकती है।फिलहाल आरोपी पिता पर लगे आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। मामले में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि और आगे की कानूनी कार्रवाई का इंतजार है।मासूम अरमान की मौत ने पूरे मामले को बेहद गंभीर आपराधिक जांच का विषय बना दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 10 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्रीशैलम धार्मिक यात्रा की तैयारियों को लेकर अग्रवाल समाज तेलंगाना की स्वयंसेवक बैठक

25 बसों से करीब 1000 अग्रबंधु करेंगे श्रीशैलम यात्रा कल से

प्रत्येक बस में दो स्वयंसेवक संभालेंगे सेवा व्यवस्था

श्रीशैलम के बाद 1500 अग्रबंधुओं के लिए होगी यादगिरीगुट्टा यात्रा

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन के लिए आयोजित की जा रही श्रीशैलम धार्मिक यात्रा की तैयारियों को लेकर स्वयंसेवकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक समाज के राघव रत्ना टावर स्थित सभागृह में हुई। समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बैठक की जानकारी दी।

बैठक में समाज के सहमंत्री प्रतीक नरसरिया ने श्रीशैलम यात्रा से संबंधित विस्तृत जानकारी सभी स्वयंसेवकों को प्रदान की। उन्होंने यात्रा की व्यवस्थाओं, यात्रियों की सुविधा तथा स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वयंसेवकों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी सहमंत्री प्रतीक नरसरिया ने किया।

समाज द्वारा बताया गया कि श्रीशैलम यात्रा के लिए 11 अगस्त को शहर के विभिन्न स्थानों से बसें रवाना होंगी तथा 12 अगस्त को यात्रियों की वापसी उन्हीं स्थानों पर होगी। करीब 1000 अग्रबंधुओं की यात्रा के लिए कुल 25 बसों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त करीब 20 कारों से भी अग्रबंधु यात्रा में शामिल होंगे।

यात्रा के दौरान सभी यात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। इसके लिए सभी बसों में भोजन किट वितरित किए जाएंगे, ताकि यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रत्येक बस में दो-दो स्वयंसेवकों को सेवा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक में स्वयंसेवकों के रूप में संगीता अग्रवाल, कीर्ति गुप्ता, सोनू गुप्ता, मंजू गुप्ता, निशा अग्रवाल, सपना अग्रवाल, टिंकू अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, मिनी अग्रवाल, संजय भालवाले, नंदा अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, सोनिया गोयल, संदीप गुप्ता, पलकेश अग्रवाल, वेणु गोपाल अग्रवाल, जितेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, नीरज कुमार अग्रवाल, कविता अग्रवाल, डिम्पल अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, नंदा अग्रवाल, ख़ुशी अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, रानी मित्तल, कृष्ण अग्रवाल, रिंकू गर्ग, सुशीला केडिया, कविता गोयल, रिया केडिया, अंकुर बंसल, नीलम अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, मेघना अग्रवाल, एकता गुप्ता, शिखा अग्रवाल, दिनेश मोदी, सीए हर्ष बंसल, संस्कार अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, अमित अग्रवाल, चिन्मय अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, रीना अग्रवाल, मधु गोयल, सीमा गर्ग, संगीता अग्रवाल, डॉ. मीता बजाज, आरती अग्रवाल, पूजा कंदोई, हर्षिता कंदोई, किरण अग्रवाल, भूमिका तुलसियान, मोनिका अग्रवाल, नेहा बंसल, आराधना अग्रवाल, पायल अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, मीनू अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, राधिका अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल, भारत कुमार, संगीता टिबरेवाला तथा संगीता गोयल सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

श्रीशैलम के बाद यादगिरीगुट्टा यात्रा की तैयारी

कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने बताया कि श्रीशैलम यात्रा के पश्चात अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा करीब 1500 अग्रबंधुओं के लिए श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की यादगिरीगुट्टा धार्मिक यात्रा का भी प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाज द्वारा धार्मिक यात्राओं के माध्यम से अधिक से अधिक अग्रबंधुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बैठक में पदाधिकारी एवं समाजबंधु रहे उपस्थित

श्रीशैलम धार्मिक यात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल, सहमंत्री प्रतीक नरसरिया, चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, अशोक केडिया, उमा शंकर गोयंका, सुनील कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

नामपल्ली स्थित श्री येदुगुड्ला पोचम्मा मंदिर में बोनाल उत्सव के अवसर पर पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद लेने के बाद उपस्थित भाजपा नेता गोविंद नारायण राठी, मनोज जायसवाल एवं दुर्गा प्रसाद गौड़ सहित अन्य श्रद्धालु ।

अन्नदान और गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य : जगत नारायण अग्रवाल

कामदा एकादशी पर बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने कामदा एकादशी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और सेवा भावना से जुड़े इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस दौरान सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए मानव सेवा के साथ गौ सेवा का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सनातन धर्म में एकादशी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। कामदा एकादशी के दिन श्रद्धा और सेवा भाव से किया गया अन्नदान अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं है, बल्कि यह जरूरतमंद व्यक्ति के प्रति संवेदना, करुणा और मानवता की भावना को प्रकट करता है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि शास्त्रों में अन्नदान के साथ गौ सेवा को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है। गौ सेवा हमारी सनातन संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। जब धार्मिक अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़ा जाता है, तो उसका महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रयास है कि धार्मिक आस्था के साथ समाजसेवा को भी निरंतर आगे बढ़ाया जाए और जरूरतमंदों तक नियमित रूप से भोजन एवं सेवा पहुंचाई जाए।

उन्होंने कहा कि सेवा के लिए किसी विशेष अवसर की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन पर्व और धार्मिक अवसर लोगों को सेवा एवं परोपकार के लिए प्रेरित करने का अवसर अवश्य प्रदान करते हैं। समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। इससे समाज में आपसी सहयोग, सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में जगत भैया अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय और रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर अन्नदान कार्यक्रम में सहयोग किया और सेवा कार्य को सफल बनाया।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज का श्रावण महोत्सव आज

शाम 7 बजे से शुरू होगा रुद्राभिषेक, स्वजातीय बंधु प्रस्तुत करेंगे भजनों की श्रृंखला

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रावण महोत्सव के तहत श्रावण मास के दूसरे सोमवार, 10 अगस्त 2026 को भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 7 बजे से होगा। इसके साथ ही स्वजातीय बंधुओं द्वारा भजनों का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार आज बाबा का फल श्रृंगार किया जाएगा। रुद्राभिषेक एवं भजन कार्यक्रम के पश्चात रात्रि 12:11 बजे आरती संपन्न होगी। आयोजन को लेकर समाजबंधुओं में विशेष उत्साह है तथा बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पंचायती बाड़ा में सभा आयोजित की गई। सभा में रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, संदीप जायसवाल, कन्हैयालाल तिवारी, कन्हैयालाल उपाध्याय, बंकटलाल पांडिया, लक्ष्मीनारायण व्यास, दीपक उपाध्याय, मधुसूदन उपाध्याय, भागीरथ तिवारी, रामकुमार तिवारी, सूरज व्यास, श्रीवल्लभ पांडिया, विशाल उपाध्याय, विष्णु तिवारी, मुरलीधर नागला, नारायण वैष्णव सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

सभा में श्रावण महोत्सव के आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने तथा अधिक से अधिक समाजबंधुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। समाजबंधुओं ने आयोजन में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

मार्गदर्शनी सोसाइटी रसूलपुरा की वार्षिक आम सभा सम्पन्न

अविनाश भंडारी की अध्यक्षता में नई कमेटी का सर्वसम्मति से गठन

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि बैठक में पुरानी कमेटी द्वारा सोसायटी के कार्यों, विकास कार्यों तथा आय-व्यय का पूरा हिसाब सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया और किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने मुकेश कटारिया एवं उनकी पूरी टीम द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। रामसिंह चौहान ने भी सोसायटी के लिए निरंतर बहुत सेवाएं दी हैं और आगे भी सोसायटी के हित में अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

नई कमेटी का गठन आगामी दो वर्षों के लिए किया गया है। वार्षिक आम सभा में रामसिंह चौहान, रमेश पी. तातेड एवं बाबूलाल परमार ने सोसायटी के हित में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सोसायटी कंटोनमेंट क्षेत्र में होने के साथ-साथ अपने सदस्यों की भी जिम्मेदारी है। सोसायटी में स्वच्छता बनाए रखने, पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित रखने तथा अन्य सुविधाओं का बेहतर संचालन करने के लिए सभी सदस्यों का सहयोग आवश्यक है। सर्वसम्मति से नई कमेटी का चयन किया गया, जिसमें अध्यक्ष अविनाश भंडारी, उपाध्यक्ष प्रमोद तुलस्यान, सचिव राजकुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव सत्यनारायण मूंदड़ा एवं कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनिवास मूंदड़ा रहे। देशरत्न गोयल, देवेंद्र, मनोज भोर्डतरिया, हितेश सांचौर, अजित दोषी, प्रीतेश मेहता एवं भद्रेश सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। अंत में सभी सदस्यों ने नई कमेटी को आगामी दो वर्षों के लिए शुभकामनाएं दीं तथा सोसायटी के विकास एवं बेहतर संचालन के लिए अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। सोसायटी की तरफ से अल्पाहार की व्यवस्था भी रखी गई।

अग्रवाल समाज के परामर्श मंडल में रमेश कुमार अग्रवाल मनोनीत

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के परामर्श मंडल (एडवाइजरी फोरम) हेतु अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स के चेयरमैन श्री रमेश कुमार अग्रवाल को मनोनीत किया गया ।

एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समाज की मीडिया एवं प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं परामर्श मंडल के संदीप पटवारी द्वारा श्री रमेश कुमार अग्रवाल को बधाई प्रदान की गई ।

आत्मनिरीक्षण, संकल्प एवं समर्पण का महापर्व गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न

गुरु-शिष्य संबंध की दिव्यता एवं ब्रह्मज्ञान के महत्व पर हुआ विशेष सत्संग

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परम पूजनीय सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को हरियाणा भवन, सरोजिनी देवी रोड, पैराडाइज, सिकंदराबाद में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक ङ्गगुरु पूर्णिमा महोत्सवफ का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। ङ्गआत्मनिरीक्षण, संकल्प एवं समर्पण का महापर्वफ विषय पर आधारित इस आयोजन में हैदराबाद एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

दिल्ली से पधारे श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य डॉ. सर्वेश्वर जी ने गुरु-शिष्य संबंध की दिव्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रत्येक शिष्य के लिए आत्ममंथन का अवसर है। यह वह दिवस है, जब साधक अपने आध्यात्मिक जीवन का मूल्यांकन करता है तथा गुरु द्वारा प्रदत्त ब्रह्मज्ञान, साधना, सेवा, सुमिरन एवं सत्संग के मार्ग पर अपनी प्रगति का आत्मनिरीक्षण करता है। साथ ही, नए उत्साह एवं दृढ़ संकल्प के साथ स्वयं को गुरु आज्ञा के पालन हेतु पुनः समर्पित करता है।

कार्यक्रम का संचालन कर रहीं साध्वी भावना निगम भारती जी ने कहा कि वर्तमान युग में बाहरी उपलब्धियों की अपेक्षा आंतरिक परिवर्तन अधिक आवश्यक है। यह परिवर्तन केवल सद्गुरु की कृपा एवं ब्रह्मज्ञान के प्रत्यक्ष अनुभव से ही संभव है। गुरु केवल ज्ञान का उपदेश नहीं देते, बल्कि साधक को उसके अंतर्मन में विद्यमान परमात्मा का साक्षात्कार कराकर उसके जीवन को अज्ञान से ज्ञान, अशांति से शांति और अहंकार से समर्पण की ओर अग्रसर करते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश गुरु के प्रति केवल भावनात्मक श्रद्धा व्यक्त करना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारकर स्वयं को एक श्रेष्ठ, अनुशासित एवं आध्यात्मिक व्यक्तित्व के रूप में विकसित करना है।

कार्यक्रम के दौरान गुरु महिमा पर आधारित भक्ति संगीत, मधुर भजनों एवं नाट्य प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। सामूहिक सत्संग में गुरु महिमा, ब्रह्मज्ञान एवं मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा एवं समर्पण भाव से गुरु चरणों में अपनी कृतज्ञता अर्पित करते हुए समाज एवं राष्ट्र के नैतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान हेतु स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का समापन महामंगल आरती एवं महाप्रसाद के साथ हुआ। वहीं, संस्थान के संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत श्रद्धालुओं को पौधों का वितरण भी किया गया।

पुराने शहर में बोनालु धूमधाम और श्रद्धा-उल्लास के साथ आयोजित

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और परंपरा के प्रतीक बोनालु त्योहार का आयोजन रविवार को हैदराबाद के पुराने शहर (ओल्ड सिटी) में अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा-उल्लास के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने राज्यवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

बोनालु उत्सव के दौरान हरि बाउली स्थित ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर, लाल दरवाजा स्थित श्री सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर तथा हैदराबाद के अन्य प्रमुख मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी संदेश में कहा, तेलंगाना की संस्कृति और परंपरा के प्रतीक बोनालु त्योहार के अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य के लोगों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना की कि लाल दरवाजा श्री सिंहवाहिनी महाकाली अम्मावारु हर परिवार को समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें। उन्होंने सभी से शांति, सद्भाव और भक्तिभाव के साथ इस पर्व को मनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शहर के विभिन्न मंदिरों में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। किशन रेड्डी ने मदफ पर पोस्ट करते हुए लिखा, ङ्गङ्गसभी के लिए शांति, समृद्धि, खुशी और अच्छे स्वास्थ्य तथा हर किसी के कल्याण के लिए प्रार्थना की

तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा और दानसरी अनसूया (सीतक्का) के अलावा तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ और अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी मंदिरों में जाकर देवी महाकाली की पूजा-अर्चना की। इसके अलावा बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और प्रसिद्ध अभिनेता विजय देवरकोंडा ने भी मंदिरों में मत्था टेका।

हरिबाउली अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में बोनालु उत्सव की धूम

हरिबाउली स्थित ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में 78वें वार्षिक बोनालु उत्सव के भाग के रूप में रविवार सुबह देवी अम्मावारु का महा अभिषेक श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। यह धार्मिक अनुष्ठान मंदिर समिति के प्रतिनिधियों एस. पी. क्रांति कुमार और एम. विनोद कुमार के परिवार के सदस्यों डरा संपन्न कराया गया। इसके पश्चात देवी का विशेष अलंकरण, अर्चना और नक्षत्र आरती पूजा का भव्य आयोजन किया गया।

तेलंगाना राज्य सरकार की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मंदिर पहुंचकर देवी अम्मावारु को पारंपरिक रेशमी वस्त्र (पट्टू वस्त्रम) समर्पित किए और विशेष पूजा-अर्चना की।

इस पावन अवसर पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री के. टी. रामा राव (केटीआर), केंद्रीय राज्य मंत्री व विधायक बंदी संजय, राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा, पोन्नम प्रभाकर, अट्लूरी लक्ष्मण, विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदीराज, सरकार के सचेतक व एमएलसी बलमूर वेंकट, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति नंदा, राज्य सरकार के सलाहकार वी. हनुमान राव, राज्यसभा सांसद एम. अनिल यादव, बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन, एंडोमेंट निदेशक हनुमान राव, विधायक राजा सिंह, राकेश रेड्डी, दानम नागेंद्र, राज ठाकुर, पूर्व सांसद कविता, अंजन यादव, कृष्णा यादव, कोटा नीलिमा सहित विभिन्न निगमों के अध्यक्षों, सदस्यों और अनेक विभागों के आधिकारिक व अनौपचारिक गणमान्य व्यक्तियों ने मंदिर पहुंचकर देवी महाकाली के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने देवी को मबोनमफ (दूध और गुड़ से पकाए गए चावल) अर्पित किया। परंपरा के अनुसार, महिलाएं नीम की पत्तियों, हल्दी और कुमकुम से सजे नए मिट्टी या पीतल के बर्तनों में यह प्रसाद तैयार करती हैं। वे इन बर्तनों को अपने सिर पर रखकर मंदिर तक ले जाती हैं और देवी को साड़ी तथा चूड़ियों के साथ प्रसाद चढ़ाती हैं।बोनालु हैदराबाद और सिकंदराबाद (जुड़वां शहरों) के साथ-साथ तेलंगाना के अन्य हिस्सों में मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है, जिसे मन्नतें पूरी होने पर देवी महाकाली के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आयोजित किया जाता है।

यह त्योहार देवी महाकाली और उनके विभिन्न रूपों की पूजा को समर्पित है।बोनालु जुलूस और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे तथा शहर के कई हिस्सों में यातायात प्रतिबंध लागू किए थे।

बोनालु उत्सव हमारी आस्था, संस्कृति और मातृशक्ति की आराधना का पर्व : टी. राजा सिंह

शराब पीकर हुड़दंग और महिलाओं का अपमान हमारी संस्कृति नहीं

युवाओं से मर्यादा, अनुशासन और संस्कारों के साथ बोनाल मनाने की अपील

माता महाकाली से सुख-शांति, समृद्धि और देश की मजबूती के लिए प्रार्थना का आह्वान

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने रविवार को हैदराबाद में आयोजित विभिन्न बोनाल उत्सव कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पुराने शहर स्थित अक्कन्ना-मादन्ना प्राचीन दुर्गा माता मंदिर सहित पुराने शहर के अनेक प्राचीन मंदिरों में दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

इसके साथ ही उन्होंने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न डिवीजनों में स्थित मंदिरों में पहुंचकर माता के दर्शन किए तथा बोनाल उत्सव में शामिल श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों से मुलाकात की।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए टी. राजा सिंह ने कहा कि बोनाल केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी आस्था, परंपरा और मातृशक्ति की आराधना का पवित्र पर्व है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे इस धार्मिक पर्व को मर्यादा, अनुशासन और संस्कारों के साथ मनाएं।

उन्होंने कहा, बोनाल का अर्थ शराब पीकर नाचना और हुड़दंग करना नहीं है। शराब पीकर हमारी माताओं और बहनों को परेशान करना अथवा उनका अपमान करना हमारी संस्कृति नहीं है। बोनाल का वास्तविक अर्थ मां महाकाली की आराधना करना, विधि-विधान से पूजा करना, नैवेद्य अर्पित करना और माता से अपने परिवार एवं समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना करना है।

सुख-शांति और समृद्धि के लिए माता से प्रार्थना

टी. राजा सिंह ने कहा कि हमारी परंपरा में हम माता महाकाली से अच्छी वर्षा, समाज में सुख-शांति तथा किसी भी प्रकार की बीमारी और विपत्ति से रक्षा की प्रार्थना करते हैं। प्रत्येक परिवार सुरक्षित एवं समृद्ध रहे, इसके लिए भी माता के चरणों में श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की जाती है।

उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे बोनाल उत्सव को भक्ति, अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाएं तथा अपनी गौरवशाली धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में योगदान दें।

देश की सुरक्षा और मजबूती के लिए भी करें प्रार्थना

उन्होंने कहा कि मंदिरों में जाकर केवल अपने परिवार की सुरक्षा और सुख-समृद्धि के लिए ही प्रार्थना नहीं करनी चाहिए, बल्कि देश की सुरक्षा, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा, समाज में शांति और भारत की निरंतर मजबूती के लिए भी माता के चरणों में प्रार्थना करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करने की अपील

टी. राजा सिंह ने कहा कि 2014 के बाद देश में एक नए भारत का अनुभव देखने को मिला है। देश की सुरक्षा, विकास एवं मजबूती के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं युवाओं से अपील की कि वे बोनाल उत्सव को श्रद्धा, भक्ति, अनुशासन और भारतीय संस्कृति के मूल्यों के साथ मनाएं तथा माता महाकाली का आशीर्वाद लेकर देश एवं समाज की मजबूती के लिए अपना योगदान दें।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना टावर में आयोजित की गई । समाज के मीडिया, प्रचार प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में 15 अभिभावक गण ने अपने बालक, बालिकाओं के बायोडाटा जमा करवाकर उनके योग्य बालक बालिकाओं के बायोडाटा की जानकारी प्राप्त की । बैठक में समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, कमिटी के चेयरमैन महेन्द्र कुमार अग्रवाल, वाईस चेयरमैन अशोक जिंदल, उमा शंकर गोयंका, गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, रानी मित्तल, संगीता गोयल, बबीता अग्रवाल एवं मुकुंद लाल अग्रवाल उपस्थित थे ।

शक्तजनों की सेवा मानवता की सच्ची सेवा : निशा गुप्ता

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में निःशक्तजनों एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने का सेवा कार्य निरंतर किया जा रहा है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निशा गुप्ता ने कहा कि निःशक्तजनों और जरूरतमंदों की सेवा करना मानवता की सच्ची सेवा है। निशा गुप्ता ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सभी को अपनी क्षमता के अनुसार आगे आना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान और सेवा कार्य समाज

में संवेदना, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का प्रेरणादायक माध्यम हैं।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, कनक अग्रवाल, सान्वी अग्रवाल, प्राशी अग्रवाल, लेहक अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, मनीष चंडालिया, पाबूराम कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा एवं शिव भगवान अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

दिव्य लोगस्स कल्प अनुष्ठान संपन्न, दो श्राविकाओं ने तपस्या का प्रत्याख्यान किया

हैदराबाद, 09 अगस्त 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा द्वारा आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी की अध्यक्षता में मदिव्य लोगस्स कल्प अनुष्ठानफ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुनि श्री काव्य कुमारजी द्वारा त्रिपदी वंदना से हुई। मुनि श्री दीप कुमारजी ने लोगस्स के आध्यात्मिक महत्व, मंत्रात्मक संरचना और साधना पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोगस्स केवल तीर्थंकर स्तुति नहीं, बल्कि साधक को भीतर से जोड़ने वाली एक प्रभावशाली आध्यात्मिक

साधना है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा और एकाग्रता के साथ सामूहिक स्तवन में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर दो श्राविकाओं ने क्रमशः 8-दिवसीय और 13-दिवसीय तपस्या का प्रत्याख्यान ग्रहण किया।

कुशाईगुडा से किशरगुट्टा तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुशाईगुडा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। रविवार को प्रातः 10 बजे श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से भगवान शिव के जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा किशरगुट्टा शिवालयम के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

कांवड़ यात्रा किशरगुट्टा पहुंचने के पश्चात कल्याण मंडपम में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां भगवान भोलेनाथ की भक्ति में भजनों की प्रस्तुति देकर शिवभक्तों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शिवभक्त राजेश शर्मा, मदन सिंह, मुरारी शर्मा एवं संपत पारीक ने भजनों की प्रस्तुति देकर

उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से भगवान भोलेनाथ की आराधना की।

इस अवसर पर नेहा रेड्डी, विजय रेड्डी, दामोदर शर्मा, दुलीचन्द शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, नरेश खंडेलवाल, पुरुषोत्तम, विकास शर्मा, आनंद शर्मा, कैलाश शर्मा, किशोर शर्मा, ओमप्रकाश जाट, महेश बागड़ी, इंद्रपाल सैनी, नरेश माली, केके बन्ना, चंदन भाई, वीरू भाई, अर्जुन दान, बृजपाल, देवी दान, सखेर दान एवं शुभम शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में महिला मंडल की ओर से कमला देवी शर्मा, रेखा शर्मा, ममता शर्मा, मुनि शर्मा, प्रेमलता शर्मा, किरण शर्मा, मुनि बाई, विजयलक्ष्मी शर्मा, कमला शर्मा एवं कमला ललिता शर्मा सहित समस्त शिवभक्तों ने सहभागिता निभाई।

कांवड़ यात्रा एवं धार्मिक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ अपनी श्रद्धा एवं भक्ति अर्पित की।

पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

फर्जी नंबर प्लेट के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा

हैदराबाद, 09 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। फर्जी व छेड़छाड़ की गई और अनधिकृत नंबर प्लेट के इस्तेमाल की बढ़ती शिकायतों के बीच हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे वाहनों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वाहन की पहचान छिपाने, ट्रैफिक कार्रवाई से बचने अथवा नियमों का उल्लंघन करने के उद्देश्य से फर्जी या बदली हुई नंबर प्लेट का इस्तेमाल गंभीर अपराध माना जाएगा।

पुलिस के अनुसार, पिछले एक सप्ताह के दौरान फर्जी अथवा धोखाधड़ी से तैयार की गई पंजीकरण नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अभियान के दौरान कई संदिग्ध वाहनों की पहचान कर उन्हें जब्त भी किया गया है।

दर्ज किए गए मामले पंजागुट्टा, चिलकलगुडा, कंचनबाग और बंदलागुडा पुलिस थाना क्षेत्रों के अलावा नलगोंडा जिले के डिंडी पुलिस थाना क्षेत्र से संबंधित हैं। पुलिस द्वारा इन मामलों में संबंधित वाहन मालिकों और उपयोगकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैफिक पुलिस ने वाहन मालिकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वाहनों पर केवल सरकार द्वारा निर्धारित उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट का ही इस्तेमाल किया जाए। नंबर प्लेट में अनधिकृत तरीके से बदलाव करना, अंकों को हटाना या बदलना, नंबर को अस्पष्ट करना अथवा अस्थायी स्टिकर का इस्तेमाल करना नियमों के खिलाफ है।

पुलिस ने कहा कि फर्जी या छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट के जरिए वाहन की पहचान छिपाने की कोशिश न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित करती है, बल्कि अपराधों की रोकथाम और जांच में भी बाधा पैदा कर सकती है। ऐसे मामलों में वाहन को तत्काल जब्त करने के साथ आपराधिक मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने दोहराया है कि फर्जी नंबर प्लेट और वाहन पंजीकरण में धोखाधड़ी के मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी। पुलिस ने सभी वाहन मालिकों से निर्धारित नंबर प्लेट मानकों और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

पुलिस के मुताबिक, सार्वजनिक सुरक्षा, कानूनसम्मत यातायात व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान शहर में आगे भी लगातार और व्यापक स्तर पर जारी रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.